Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
Autonomous
Accredited by NAAC with Grade 'A' (CGPA Score 3.41 on a 4 Point Scale)
Best Affiliated College-Goa University Silver Jubilee Year Award

F.133C/ 769

2nd December 2020

All the Members of Board of Studies in Hindi

Sub: Minutes of the Meeting of the Board of Studies in Hindi held on 17th November, 2020

Sir/Madam,

I am forwarding the minutes of the meeting of the Board of Studies in Hindi held on 17th November 2020 virtually by Google Meet in the college. If no exception is taken by any member who was present at the meeting to the correctness of the minutes of the meeting, within 5 days of receipt of the minutes, they shall be deemed to be correct and accepted.

Yours Faithfully

Miss. Alka Gawas

Chairperson

Encl: 1) Minutes of the meeting

2) Course Structure & Syllabi

3) Swayam Courses

P.O. Fatorda, Gogol-Margao, Goa 403602, Phone:0832-2722222, Fax:0832 2759067, Email: principal@chowgules.ac.in

Parvatibai Chowgule College of arts and science (Autonomous)

Margao-Goa

MINUTES OF MEETING OF THE BOARD OF STUDIES IN HINDI

HELD ON 17TH NOVEMBER 2020 AT 10:00 AM

Vide Chowgule College notice (F133C/621 dated 2nd November, 2020) a meeting of this BOS was convened on 17th November, at 10.00 am through Google Meet in Parvatibai Chowgule College of Arts and Science, Margao-Goa. Since the number of members of persent represented the Quorum, the BOS began its proceedings.

Minutes are presented in the format.

Members present:

1. Ms. Alka Gawas - Chairperson
2. Dr. Satish Pandey - Academic Council Nominee
3. Dr. Sadanand Bhosle - Academic Council Nominee
4. Dr. Soniya Sirsat - Vice-Chancellor Nominee, Goa University
5. Shri. Manish Kumar - Industry Representative
6. Dr. Rakesh Sharma - Expert Special Courses
7. Mr. Aditya Bhangui - Alumni
8. Dr. Rishikesh Mishra - Member Secretary
9. Pro. Pradeep Jatal - Member
10. Ms. Vijayshri Satpalkar- Member
11. Ms. Shambhavi Naik - Member
12. Mr. Akbar Shaikh - Member

Proceedings:

The Chairman welcomed the members of the board of studies (BOS) the Chairman introduced and explained the agenda for the meeting and Board transacted the following business.

Agenda Items

- Revise the course syllabus for Under-Graduate and Post- Graduate Program in Hindi.
- A.O.B.

PART A: Resolution:-

1. सर्वप्रथम बी.ए का पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिस पर चर्चा करते हुए उपस्थित सुझाव देकर PSO को PLO के रूप में परिवर्तित किया गया। **7 PSO** को हमने **PLO** के रूप में रूपांतरित करते हुए **4 PLO** में संक्षिप्तीकरण किया, जिसे **BOS** समक्ष रखा गया तथा इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निम्नवत् है-

Programme learning outcome (PLO)	Short Title of the POs	Description of the Programme Outcomes Graduates will be able to :
PLO-1	भाषिक क्षमता	भाषा विज्ञान, भाषा कौशल एवं व्याकरण, मीडिया लेखन के अध्ययन के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता का विकास होगा।
PLO-2	साहित्य की विविध विधाओं एवं विमर्शों का आस्वादन एवं मूल्यांकन।	साहित्य की विविध विधाओं एवं विमर्शों के आस्वादन एवं मूल्यांकन द्वारा मानवीय संवेदना और जीवन दृष्टि का विकास होगा एवं तुलनात्मक दृष्टि विकसित होगी। साथ ही नाटक एवं रंगमंच से जुड़ी विविध विधाओं एवं रंगमंचीय प्रयोगों से विद्यार्थियों में अधिगम क्षमता का विकास होगा।
PLO-3	साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांतों का ज्ञान।	साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांतों के आधार पर साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी।
PLO-4	प्रयोजनमूलक हिंदी- अनुवाद एवं पत्रकारिता का सैद्धांतिक और	प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं विविध क्षेत्र का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में हिंदी के व्यावसायिक अनुप्रयोग की क्षमता

	व्यावहारिक अध्ययन।	विकसित होगी। अनुवाद के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक स्वरूप का अध्ययन कर अनुवाद के क्षेत्र में सक्रिय होने की क्षमता विकसित होगी। मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अध्ययन कर पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे।

2. सर्वप्रथम बी.ए का पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर चर्चा करते हुए उपस्थित सुझाव देकर निम्नलिखित कोर्स के CLOs 5 किए गए। जिसे BOS समक्ष रखा गया तथा इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। जो निम्नवत् है-

<u>SEMESTER II</u>

- 2.1 'हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म' (HIN-II.C-3) इस प्रश्न अंतर्गत CLOs की संख्या 7 थी, जिस पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए से CLO 1 और CLO 2 और CLO 3 और CLO 4 को सम्मिलित किया गया है। अब इनकी संख्या 5 हो गयी है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

<u>SEMESTER III</u>

- 3.1'हिन्दी पथनाट्य' (नुक्कड़ नाटक) (HIN-III.SEC-1) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, जिस पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए CLO 1 और CLO 2 को सम्मिलित किया गया है। अब इनकी संख्या 5 हो गयी है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

SEMESTER IV

- 4.1 'हिन्दी एकांकी' (HIN-IV.SEC-2) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 7 थी, जिसमें से CLO 1 और CLO 2 को सम्मिलित किया गया है। इस प्रश्न पत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए CLO 4 को निकालने के लिए कहा। अब इनकी संख्या 5 हो गई है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

SEMESTER V

- 5.1 'विशेष अध्ययन: हिंदी उपन्यास' (HIN-V.E-10) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, जिसमें बी.ओ.एस के सभी सदस्यों के मतानुसार CLO 1 और CLO 2 को सम्मिलित किया गया है। अब इनकी संख्या 5 है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

SEMESTER VI

- 6.1 'भाषा विज्ञान' (HIN-VI.E-14) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, जिसमें बी.ओ.एस के सभी सदस्यों के मतानुसार CLO 1 और CLO 2 को सम्मिलित किया गया है। अब इनकी संख्या 5 है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकारा गया।

Course learning Outcomes (CLOs)

Sr. No.	Course Code	Course Title	Course Outcomes
1	HIN-I.C-1	हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन	1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित एवं प्रभावित होंगे।

			4) उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा और संघर्ष भावना निर्माण होगी। 5) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।
2	HIN -I.C-2	हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य	1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 3) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 4) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी। 5) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3	HIN-II.C-3	हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा एवं नाटक की अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।

			2) 'जिस लाहौर नइ देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे और विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवीय मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी। 4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे। 5) वृत्तचित्र एवं फीचर फ़िल्म में अंतर करने में सक्षम होंगे।
4	HIN -II.C-4	हास्य -व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता	1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होंगे। 2) हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे। 3) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे। 4) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। 5) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।

5	FC-HIN.1	व्यावहारिक हिन्दी	1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) विविध क्षेत्रों में व्यावहारिक हिन्दी के प्रयोग से परिचित होंगे। 3) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे। 4) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 5) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।
6	FC-HIN.2	भाषा कौशल	1) भाषण-कला विकसित होगी। 2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा। 3) वाचन-कौशल निर्माण होगा। 4) लेखन-कला विकसित होगी। 5) हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।
7	HIN-III C-5	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	1) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

			2) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे। 3) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा। 5) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।
8	HIN-III E-1	प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन	1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) अनुवाद के प्रकारों से अवगत होंगे। 4) अनुवाद कला में निपुण होंगे। 5) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे।
9	HIN-III E-2	मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)	1) सगुण भक्ति काव्य परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे। 2) सगुण एवं निर्गुण काव्य

			से परिचित होंगे। 3) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। 4) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे। 5) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।
10	HIN-III E-3	हिन्दी महिला लेखन	1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे। 3) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 4) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे। 5) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।
11	HIN-III E-4	हिन्दी दलित लेखन	1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।

			2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 4) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे। 5) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श और उसकी की आवश्यकता को समझेंगे।
12	HIN-IV.C-6	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। 2) आधुनिक काल के काल विभाजन का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 4) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 5) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।
13	HIN-IV.E-5	हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता

			के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों को समझेंगे। 3) पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा। 4) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
14	HIN-IV.E-6	विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे। 3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे। 4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 5) निराला के साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा को

			समझेंगे।
15	HIN-IV.E-7	विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी	1) हिन्दी कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप समझेंगे। 2) हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे। 3) प्रेमचंद की कहानी कला परिचित होंगे। 4) फणीश्वर रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे। 5) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
16	HIN-IV.E-8	हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास)	1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे। 3) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे। 4) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे। 5) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता

			विकसित होगी।
17	HIN-V.C-7	भारतीय काव्यशास्त्र	1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे। 2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे। 5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।
18	HIN-V.E-9	कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृत्त,आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधाकी एक पाठ्य पुस्तक)	1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) रेखाचित्र, संस्मरण लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) साहित्य यात्रावृत्त का महत्व एवं आवश्यकता को समझेंगे। 4) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 5) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के

			योगदान से परिचित होंगे।
19	HIN-V.E-10	विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास	1) उपन्यास के स्वरूप एवं तत्व तथा उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे। 3) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी की मूल संवेदना से परिचित होंगे। 4) विद्यार्थी 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से भूमंडलीकरण की अवधारणा से ज्ञात होंगे। 5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
20	HIN-V.E-11	मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन	1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। 2) रेडियो एवं टेलीविज़न पत्रकारिता से अवगत होंगे। 3) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 4) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में

			रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।
21	HIN-V.E-12	हिंदी नाटक	1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे। 3) अभिनय कौशल का विकास होगा। 4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
22	HIN-VI.C-8	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी। 3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे। 4) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों को समझेंगे। 5) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

23	HIN-VI.E-13	हिंदी निबंध	1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप एवं तत्त्व को समझेंगे। 2) हिंदी निबंध के उद्भव एवं विकास की जानकारी होगी। 3) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे। 4) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से परिचित होंगे। 5) निबंध लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।
24	HIN-VI.E-14	भाषाविज्ञान	1) भाषा एवं भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 2) भाषाविज्ञान के अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 3) ध्वनि विज्ञान की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 4) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 5) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान

			होगा।
25	HIN-VI.E-15	हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण	1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं नामकरण से परिचित होंगे। 3) देवनागरी लिपि विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 4) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे। 5) विकारी एवं अविकारी शब्दों से परिचित होंगे।
26	HIN-VI.E-16	साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन	1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे। 2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। 4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे। 5) साहित्य का

			समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
27	HIN-III.SEC-1	हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)	1) पथनाट्य की अवधारणा और स्वरूप के साथ तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। 2) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 3) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 4) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा। 5) पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
28	HIN-IV.SEC-2	हिन्दी एकांकी	1) एकांकी के विकास और रंगमंचीयता से परिचित होंगे। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) विद्यार्थी अभिनय,एवं संवाद कला में निपुण होंगे। 4) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण में दक्षता प्राप्त करेंगे। 5) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।

3. सर्वप्रथम बी.ए का हिंदी दलित लेखन' (HIN-III E-4) पाठ्यक्रम चर्चा के लिए बी.ओ.एस के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर चर्चा करते हुए कुछ कहानियों एवं कविताओं को उसमें जोड़ने का निर्णय लिया गया।

SEMESTER III

3.1 'हिंदी दलित लेखन' (HIN-III E-4) इस प्रश्नपत्र के इकाई दो में केवल कहानीकारों के नाम उल्लिखित थे। लेकिन इस चर्चा में सभी सदस्यों से चर्चा और संशोधन करते हुए यह नाम सुझाए हैं– लेखिका कंवल भारती की कहानी के स्थान पर सुरजपाल चौहान की 'साजिश' कहानी का प्रस्ताव सबके सामने रखा गया जिसे सारे सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। सुशीला टाकभौरे- 'सिलिया', रमणिका गुप्ता की कहानी के स्थान पर दयानन्द बटोही- 'सुरंग' कहानी का प्रस्ताव सबके सामने रखा गया जिसे सारे सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। ओमप्रकाश वाल्मीकि- 'पच्चास चौका डेढ़ सौ', मोहनदास नैमिषराय- 'आवाजें', जयप्रकाश कर्दम- 'तलाश'।

इकाई 4 में कविताओं में अदम गोंडवी- 'वेद में जिनका हवाला', हीरा डोम की कविता के स्थान पर असंघोष की 'मैं दूंगा माकूल जवाब' कविता का प्रस्ताव सबके सामने रखा गया जिसे सारे सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। सूरजपाल चौहान- 'ये दलितों की बस्ती है', ओमप्रकाश वाल्मीकि- 'बस बहुत हो चुका', रमणिका गुप्ता- 'स्पार्टाकस', जयप्रकाश कर्दम- 'गूंगा नहीं था मैं'। उपरोक्त कहानी एवं कविताओं के नामों को बी. ओ. एस. के सारे सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

3.2 'हिंदी पथनाट्य'(नुक्कड़ नाटक) HIN-III.SEC-1 इस प्रश्न पत्र अंतर्गत इकाई 2 में बादल सरकार के नुक्कड़ नाटक के स्थान पर रमेश उपाध्याय का नुक्कड़ नाटक 'गिरगिट' का प्रस्ताव रखा गया जिसे सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

4. A.O.B

- बी.ओ.एस. के सभी सदस्याओं की सर्वसम्मति से निम्नलिखित स्वयम् कौर्सेस (SWAYAM Courses) निर्धारित किए गए हैं।

1. Modern Indian Writing in Translation By Prof. A. Divya (IIT Madras)
2. Introduction to Film Studies By Prof. Aysha Iqbal (IIT Madras)

- प्रश्न-पत्र के प्रारूप पर चर्चा करते हुए अध्ययन मण्डल के सभी सदस्यों के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस संदर्भ में महाविद्यालय जो भी निर्णय लेता है उसमें **BOS** की पूर्ण सहमति है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

To revise the syllabus of M.A in Hindi for Semester I to IV

Part A

Sr. No	Semester	Core Course	Course Code	Nature of the course	PG Level at which offered
1.	Semester I	हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल), भक्तिकाल एवं रीतिकाल(Hindi Sahitya ka Itihas	PG HIN C-1	Core	M.A (Hindi)
2.	Semester I	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य Pracheen evam Madhyakaleen Kavya	PG HIN C-2	Core	M.A (Hindi)
3	Semester I	भाषा विज्ञान Bhasha Vigyan	PG HNC-3	Core	M.A (Hindi)
4.	Semester I	विशेष रचनाकारसच्चिदानंद हीरानंद : वात्स्यायन'अज्ञेय' Vishesh Rachnakar: S.H.V. Agyey	PG HIN E-1	Elective	M.A (Hindi)
5.	Semester I	दलित विमर्श Daliy Vimarsh	PG HIN E-2	Elective	M.A (Hindi)
6.	Semester I	अनुवाद Anuvad	PG HIN E-3	Elective	M.A (Hindi)
7.	Semester II	हिन्दी साहित्य का इतिहास Hindi Sahitya ka Itihas (आधुनिक काल)	PG HIN C-4	Core	M.A (Hindi)
8.	Semester II	आधुनिक काव्य	PG HIN C-5	Core	M.A (Hindi)
9.	Semester II	विशेष विधाउपन्यास : Vishesh Vidha Upanyas	PG HIN C-6	Core	M.A (Hindi)
10.	Semester II	विशेष विधाकहानी : Vishesh Vidha: Kahani	PG HIN E-4	Elective	M.A (Hindi)
11.	Semester II	आलोचक और आलोचना Alochana aur Alochana	PG HIN E-5	Elective	M.A (Hindi)
12.	Semester II	पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम Patrakarita evam Jansanchar	PG HIN E-6	Elective	M.A (Hindi)

		Madhyam			
13.	Semester III	भारतीय काव्यशास्त्र Bhartiya Kavyashastra	PG HIN C-7	Core	M.A (Hindi)
14.	Semester III	प्रयोजनमूलक हिंदी Prayojanmulak Hindi	PG HIN C-8	Core	M.A (Hindi)
15.	Semester III	भारतीय साहित्य Bhartiya Sahitya	PG HIN E-7	Elective	M.A (Hindi)
16.	Semester III	नाटक एवं रंगमंच Natak Evam Rangmanch	PG HIN E-8	Elective	M.A (Hindi)
17.	Semester III	आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि Adhunik Hindi Sahitya ki Vaicharik Prishthabhumi	PG HIN E-9	Elective	M.A (Hindi)
18.	Semester III	हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण साहित्य Hindi Bhasha, Lipi Vyakaran evam Sarvekshan	PG HIN E-13	Elective	M.A (Hindi)
19.	Semester IV	पाश्चात्य काव्यशास्त्र Pashchatya Kavyashastra	PG HIN C-10	Core	M.A (Hindi)
20.	Semester IV	मीडिया लेखन Media Lekhan	PG HIN C-11	Core	M.A (Hindi)
21.	Semester IV	आधुनिक गद्य नाटक), उपन्यास, निबंध, कहानी(Adhunik Gadya	PG HIN E-10	Elective	M.A (Hindi)
22.	Semester IV	गद्य की अन्य विधाएँ Gadya ki Anya Vidhaein	PG HIN E-12	Elective	M.A (Hindi)
23.	Semester IV	स्त्री विमर्श Stri Vimarsh	PG HIN E-11	Elective	M.A (Hindi)
24.	Semester IV	शोध प्रविधि Sodh Pravidhi	PG HIN E-14	Elective	M.A (Hindi)

Semester-I

1.1 'प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य' HNC-02 इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों द्वारा चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई एक में निर्धारित कवि 'आदि कालीन कवि विद्यापति' के साथ पीताम्बरदत्त बड़त्थवाल द्वारा संपादित 'गोरखनाथ बानी' के 15 पदों को रखने का निर्णय लिया गया। इकाई एक में विद्यापति के वंदना, वय: संधि, नख शिख, प्रेम प्रसंग, विरह एवं प्रार्थना और नचारी खंड से पदों को कम करते हुए दो-दो पदों को रखने का निर्णय लिया गया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

Semester-IV

4.1 'आधुनिक गद्य' (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी) **PG HIN E-10** इस प्रश्नपत्र पर सभी सदस्यों ने चर्चा और संशोधन करते हुए इकाई तीन के 'चिंतामणि' भाग एक के छह निबंधों के स्थान पर पाँच निबंध रखने का सुझाव दिया। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

PLO/CLO:

5. 11 PSO को हमने **PLO** के रूप में रूपांतरित करते हुए **5 PLO** में संक्षिप्तीकरण किया, जिसे **BOS** समक्ष रखा गया। इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

- 'हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीति काल)', 'भाषा विज्ञान', 'विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', 'दलित विमर्श', हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)', 'विशेष विधा: उपन्यास', 'विशेष विधा: कहानी', 'पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम', 'नाटक एवं रंगमंच', 'आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि', 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र', 'स्त्री विमर्श', 'आधुनिक गद्य', 'शोध प्रविधि' के प्रश्न-पत्र में 5 से अधिक **CLO** थे, जिन्हें 5 **CLO** में संक्षिप्त किया गया और **BOS** के समक्ष रखा गया। जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।

- **DFC** की मीटिंग एवं **BOS** के सभी सदस्यों की अनुमति के पश्चात् **14** सितंबर 2020 को स्टैन्डिंग कमेटी की मीटिंग रखी गई, जिसमें एम.ए. के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम-संरचना(**Course Structure**) को ऑर्डिनेंस के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ सत्र के एक-एक कोर कोर्स को इलेक्टिव कोर्स में शामिल किया गया। जिससे कोर कोर्स एवं इलेक्टिव कोर्स के क्रेडिट्स समान हो गए। इसे **BOS** के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिस पर **BOS** ने अपनी संस्तुति दे दी। तृतीय एवं चतुर्थ सत्र की पाठ्यक्रम-संरचना में इस परिवर्तन के उपरांत कोर कोर्स में दो-दो एवं एलेक्टिव कोर्स में चार-चार प्रश्न-पत्र होंगे। इस प्रस्ताव को सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।
- सुधारित पाठ्यक्रम संरचना(**COURSE STRUCTURE**) निम्नवत है-

PGM-HIN	**Odd Semester**	**Even Semester**
PART ONE	**First Semester**	**Second Semester**
	Core Course Credits- 12	Core Course Credits- 12
	Elective Course Credits- 08	Elective Course Credits- 08
	Total first Semester = 20	Total Second Semester = 20
PART TWO	**Third Semester**	**Fourth Semester**
	Core Course Credits- 08	Core Course Credits- 08
	Elective Course Credits- 12	Elective Course Credits- 12
	Total Third Semester = 20	Total first Semester = 20

PROGRAMME OUTCOMES
Post Graduate Department of Hindi

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PLO)		
PLO-1	भाषिक क्षमता का विकास	• भाषा विज्ञान एवं व्याकरण के अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता का विकास होगा। विद्यार्थी हिन्दी भाषा के इतिहास से परिचित होंगे। • स्थानीय स्तर पर भाषिक सर्वेक्षण के उपरांत विद्यार्थी सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों से परिचित होंगे और इसमें उन्हें भाषिक भूमिका के महत्त्व का ज्ञान होगा।
PLO-2	हिंदी साहित्य, भारतीय साहित्य, साहित्येतिहास का अध्ययन एवं मूल्यांकन तथा विभिन्न विमर्शों के माध्यम से समाज की स्थितियों का ज्ञान।	• साहित्य की विभिन्न विधाओं एवं साहित्येतिहास के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्य की परंपरा से अवगत होंगे और उनमें मानवीय संवेदना और सर्जनात्मक प्रतिभा का विकास होगा। • विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करके परस्पर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आत्मिक धरातल परस्पर जुड़ेंगे और भाषिक आदान-प्रदान सहज एवं सरल होगा। • दलित विमर्श एवं स्त्री विमर्श जैसे विषयों से विद्यार्थी को समाज में उनकी दशाओं और उनकी भूमिकाओं का ज्ञान होगा। इससे विद्यार्थी उनकी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए एक सार्थक और सर्जनात्मक हस्तक्षेप कर पाएंगे।
PLO-3	समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न आंदोलनों का ज्ञान।	• साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न आंदोलनों के आधार पर साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी। • विद्यार्थी किसी भी कृति का निरपेक्ष भाव से विश्लेषणात्मक तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मूल्यांकन कर सकेंगे। रचना की उपादेयता को समसामयिक परिवेश में रख सकेंगे। एक समीक्षक तौर पर स्वयं को स्थापित करने की प्रेरणा मिलेगी।
PLO-4	मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता का अध्ययन तथा प्रयोजनमूलक हिंदी का सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रयोग।	• समाचार-पत्र, रेडियो, दूरदर्शन एवं इंटरनेट पत्रकारिता के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अध्ययन से मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे। • विविध क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में हिंदी के व्यावसायिक अनुप्रयोग क्षमता विकसित होगी।
PLO-5	शोध कार्य की प्रक्रिया का	• शोध-प्रविधि के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी शोध की दिशा में

	ज्ञान।	प्रवृत्त होंगे। विद्यार्थियों को शोध-लेखन की जानकारी होगी। शोधार्थी की योग्यता का ज्ञान होगा। शोध के स्रोतों, साधनों और विविध सोपानों से परिचित होंगे।

CourseLearning Outcomes-

Sr. No.	Course Code	Course Title	Course Outcomes
1	PG HIN C-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	1) साहित्य के इतिहास दर्शन का ज्ञान होगा एवं साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों से परिचित होंगे 2) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 3) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा। 5) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।
2	PG HIN C-2	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	1) विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) हिन्दी काव्य परंपरा और समाज पर पड़े उसके प्रभाव का ज्ञान होगा। 3) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 4) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 5) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।
3	PG HIN C-3	भाषा विज्ञान	1) भाषा, बोली और समाज के आपसी सम्बन्धों से परिचित होंगे तथा भाषा और भाषा विज्ञान के पारस्परिक संबंध का ज्ञान होगा। 2) भाषा एवं भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 3) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 4) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 5) अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के

			कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।
4	PG HIN E-1	विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	1) विद्यार्थी अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे। 2) व्यष्टि और समष्टि चेतना को समझ सकेंगे। 3) आधुनिक हिन्दी साहित्य में अज्ञेय के योगदान का ज्ञान होगा। 4) अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व से प्रेरित होकर सृजनात्मक रूप से समाज में अपना योगदान दे सकेंगे।
5	PG HIN E-2	दलित विमर्श	1) दलित साहित्य और मुख्य धारा के साहित्य के बीच सम्बन्धों को समझ सकेंगे। 2) दलित चेतना के स्वरूप, महत्त्व उसके सौंदर्यशास्त्र से परिचित होंगे। 3) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 4) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 5) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।
6	PG HIN E-3	अनुवाद	1) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 2) अनुवाद के भेदों से परिचित होंगे। 3) भारतीय साहित्य के विकास की दृष्टि से अनुवाद की महत्ता समझ सकेंगे। 4) अनुवाद कार्य में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे। 5) रोजगार की दृष्टि से अनुवाद कार्य में प्रवृत्त होंगे।
7	PG HIN C-4	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य और उसके परिवेश से परिचित होंगे। 2) हिन्दी साहित्य में आए बदलाओं और उसके कारणों को समझ सकेंगे। 3) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 4) हिंदी कहानी, उपन्यास, निबंध, नाटक के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे। 5) गद्य की इतर विधाओं, परंपरा और उसके

			महत्त्व से परिचित होंगे।
8	PG HIN C-5	आधुनिक काव्य	1) आधुनिक काल के प्रमुख काव्य ग्रन्थों से परिचित होंगे। 2) समाज की विविव्ध दिशाओं में आधुनिक कविता के योगदान को जान पाएंगे। 3) आज़ादी के पूर्व और आज़ादी के बाद कविता की भूमिका को समझ सकेंगे। 4) पूर्ववर्ती कविता से अंतर को समझ सकेंगे। 5) विद्यार्थी काव्य सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।
9	PG HIN C-6	विशेष विधा: उपन्यास	1) उपन्यास विधा के स्वरूप, तत्व एवं उसके विकासक्रम से परिचित होंगे। 2) उपन्यास के कथ्य और समाज के संबंध को जान पाएंगे। 3) 'गोदान' उपन्यास के माध्यम से एक किसान के जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे। 4) 'राग दरबारी' के माध्यम से उपन्यास में व्यंग्य के महत्त्व और स्वातंत्र्योत्तर भार की विसंगतियों से परिचित होंगे। 5) 'मानस का हंस' उपन्यास के माध्यम से मध्यकालीन समाज और तुलसीदास के जीवन से अवगत होंगे।
10	PG HIN E-4	विशेष विधा: कहानी	1) विद्यार्थी हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे। 2) चर्चित कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और समाज के सम्बन्धों से अवगत होंगे। 3) विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि विकसित होगी और कहानी-लेखन की दिशा में प्रवृत्त होंगे। 4) कहानी विधा में विभिन्न युगों में हुए बदलावों से परिचित होंगे। 5) हिन्दी कहानी में शीर्षस्थ कहानीकारों के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
11	PG HIN E-5	आलोचक और आलोचना	1) हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) आलोचना के प्रतिमानों को समझ सकेंगे। 3) हिन्दी आलोचना पर पड़े प्रभावों को समझ

			सकेंगे। 4) विद्यार्थियों में एक आलोचक दृष्टि विकसित होगी। 5) किसी चीज़ को लेकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।
12	PG HIN E-6	पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम	1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) समाचार पत्र में लेखन का ज्ञान होगा। 3) रेडियो के क्रमिक विकास और उसमें लेखन का ज्ञान होगा। 4) सिनेमा एवं दूरदर्शन के उद्भव और विकास तथा उसके विविध पहलुओं से परिचित होंगे। 5) जनसंचार के विविध माध्यमों से परिचित होंगे तथा विद्यार्थियों में रेडियो पत्रकारिता, टेलीविजन पत्रकारिता एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
13	PG HIN C-7	भारतीय काव्यशास्त्र	1) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करेंगे। 3) काव्य आस्वादन में भारतीय सिद्धांतों के महत्त्व को समझ सकेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे। 5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।
14	PG HIN C-8	प्रयोजनमूलक हिंदी	1) विद्यार्थीप्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) रोजगार की प्राप्ति की दिशा में कुशलता प्राप्त करेंगे। 4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्राचार में सक्षम होंगे। 5) हिन्दी के प्रचार-प्रसार में इंटरनेट की भूमिका को समझ सकेंगे।
15	PG HIN E-13	हिंदी भाषा, लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण साहित्य	1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि के विकास एवं

			मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे। 4) विद्यार्थियों में भाषा कौशल का विकास होगा। 5) सर्वेक्षण के माध्यम से स्थानीय भाषा एवं संस्कृति को समझ सकेंगे।
16	PG HIN E-7	भारतीय साहित्य	1) विभिन्न भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य से परिचित होंगे। 2) लेखकीय दृष्टि को समझ सकेंगे। 3) अन्य भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे। 4) भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता एवं एकीकरण का भाव विकसित विकसित होगा। 5) अन्य भाषाओं के साहित्य का हिन्दी भाषा-साहित्य के साथ जुड़ाव को समझ सकेंगे।
17	PG HIN **E-8**	नाटक एवं रंगमंच	1) हिन्दी नाट्य परंपरा के क्रमिक विकास का ज्ञान होगा एवं विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे। 3) अभिनय कौशल में कुशलता प्राप्त करेंगे। 4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
18	PG HIN **E-9**	आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	1) साहित्य की वैचारिकता से जुड़ सकेंगे। 2) साहित्य में निहित विचारधाराओं से परिचित हो सकेंगे। 3) साहित्य के सभी वादों और सिद्धांतों से परिचित होंगे। 4) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 5) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। विभिन्न आंदोलनों का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।
19	PG HIN **C-10**	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।

			3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा की विविध प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे। 4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।
20	PG HIN **C-11**	मीडिया लेखन	1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। 2) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 3) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा। 4) रोजगार की दृष्टि से सिनेमा-लेखन से परिचित होंगे। 5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।
21	PG HIN **E-14**	शोध प्रविधि	1) विद्यार्थी शोध की पूरी प्रक्रिया से अवगत होंगे। 2) Shodh Pravidhiyon se parichit honge. 3) शोध के दौरान आने वाली समस्याओं के प्रति जागरूक होंगे। 4) शोध के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान होगा। 5) विद्यार्थी भविष्य में शोध कार्य में प्रवृत्त होंगे।
22	PG HIN **E-10**	आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)	1) गद्य की प्रतिनिधि विधाओं से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थियों को रचनाओं के माध्यम से समाज की विभिन्न स्थितियों का ज्ञान होगा 3) उनमें संवेदनशीलता विकसित होगी। 4) व्यावहारिक दृष्टि विकसित होगी। 5) विद्यार्थी सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।
23	PG HIN **E-11**	स्त्री विमर्श	1) नारी आंदोलन एवं उसमें नारी लेखन की भूमिका से अवगत होंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे। 3) स्त्री की दशा एवं उनके संघर्षमय लेखन

			से परिचित होंगे। 4) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 5) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे और उनकी सामाजिक समस्याओं तथा नारी चेतना का ज्ञान होगा।
24	PG HIN **E-12**	गद्य की अन्य विधाएँ	1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) संस्मरण और यात्रा-वृतांत लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 4) अन्य विधाओं के अद्यतन साहित्य से जुड़ सकेंगे। 5) विद्यार्थियों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।

1. **A.O.B**
   1. प्रश्न-पत्र के प्रारूप पर चर्चा करते हुए अध्ययन मण्डल के सभी सदस्यों के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि इस संदर्भ में महाविद्यालय जो भी निर्णय लेता है उसमें **BOS** की पूर्ण सहमति है। इस सुझाव को सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया।

PART B

Important point / recommendation of BOS that required consideration / approval of academic council.

1. PSO को PLO के रूप में रूपांतरित करते हुए 7 PSO का 4 PLO में संक्षिप्तीकरण किया गया, इस सुझाव को सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया।
2. 'हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म' (HIN-II.C-3) इस प्रश्न के अंतर्गत CLOs की संख्या 7 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
3. 'हिन्दी पथनाट्य' (नुक्कड़ नाटक) (HIN-III.SEC-1) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
4. 'हिन्दी एकांकी' (HIN-IV.SEC-2) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 7 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
5. 'विशेष अध्ययन: हिंदी उपन्यास' (HIN-V.E-10) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
6. 'भाषा विज्ञान' (HIN-VI.E-14) इस प्रश्न पत्र के अंतर्गत CLOs की संख्या 6 थी, अब इनकी संख्या 5 करने का निर्णय लिया गया।
7. 'हिंदी दलित लेखन' (HIN-III E-4) इस प्रश्नपत्र में चयनित कहानियाँ एवं कविताओं को जोड़ने का निर्णय लिया गया।
8. 'हिंदी पथनाट्य'(नुक्कड़ नाटक) HIN-III.SEC-1 इस प्रश्न पत्र अंतर्गत बादल सरकार के स्थान पर रमेश उपाध्याय के नुक्कड़ नाटक को जोड़ने का निर्णय लिया गया।
9. स्वयम् के दो कोर्स "Modern Indian Writing in Translation" by Prof. A. Divya (IIT Madaras) तथा "Introduction to Film Studies" by Prof.Ayesha Iqbql (IIT Madras) को जोड़ने का निर्णय लिया गया।

PART B

Important Points/ recommendations of BOS that require consideration / approval of Academic Council:

एम .ए - .हिन्दी सत्र I से IV का पाठ्यक्रम-

Semester-I

- 'प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य' HNC-02 इस प्रश्नपत्र की इकाई एक में निर्धारित कवि 'आदि कालीन कवि विद्यापति' के साथ 'गोरखनाथ बानी' के 15 पदों को रखा गया। साथ ही विद्यापति पदावली के निर्धारित खंडों से दो-दो पदों को रखा गया।

Semester-IV

- 'आधुनिक गद्य' (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी) **PG HIN E-10** की इकाई तीन में 'चिंतामणि' भाग एक के छह निबंधों के स्थान पर पाँच निबंध रखे गए।

PLO/CLO:

- **11 PSO** को **PLO** के रूप में रूपांतरित करते हुए **5 PLO** में संक्षिप्तीकरण किया गया।
- 'हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीति काल)', 'भाषा विज्ञान', 'विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', 'दलित विमर्श', हिंदी साहित्य का इतिहास(आधुनिक काल)', 'विशेष विधा: उपन्यास', 'विशेष विधा: कहानी', 'पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम', 'नाटक एवं रंगमंच', 'आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि', 'पाश्चात्य काव्यशास्त्र', 'स्त्री विमर्श', 'आधुनिक गद्य', 'शोध प्रविधि' के प्रश्न-पत्र में अधिक **CLO** होने के कारण 5 **CLO** में संक्षिप्त किया गया।
- एम.ए. के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम-संरचना(**Course Structure**) को ऑर्डिनेंस के अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ सत्र के एक-एक कोर कोर्स को इलेक्टिव कोर्स में शामिल किया गया। जिससे कोर कोर्स एवं इलेक्टिव कोर्स के क्रेडिट्स समान हो गए। इसे **BOS** के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिस पर **BOS** ने अपनी संस्तुति दे दी।

The foregoing minutes of the meeting were read out by the member Secretary at the meeting itself and they were unanimously approved by the entire Members Present.

1. Ms. Alka Gawas - Chairperson
2. Dr. Satish Pandey - Academic Council Nominee
3. Dr. Sadanand Bhosle - Academic Council Nominee
4. Dr. Soniya Sirsat - Vice-Chancellor Nominee, Goa University
5. Shri. Manish Kumar - Industry Representative
6. Dr. Rakesh Sharma- Expert Special Courses
7. Mr. Aditya Bhangui - Alumni
8. Dr. Rishikesh Mishra - Member Secretary
9. Ms. Vijayshri Satpalkar- Members
10. Ms. Shambhavi Naik- Members
11. Mr. Akbar Shaikh - Members

Date 17th November, 2020

Signature of the Chairperson

(Miss Alka Gawas)

PART C: The remarks of the the Dean of the Faculty :-

a. The minutes are in order.
b. The minutes may be placed before the Academic Council with remarks, if any.
c. Important points of the minutes which need clear policy decision of the Academic Council to be recorded.

Date

Signature of the Dean

Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)

UNDER GRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

COURSE STRUCTURE

SEMESTR	CORE COMPULSORY		CORE ELECTIVE			
Semester I	**HIN -I.C-1** हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन (Hindi story and Shabda Sadhan)	**HIN -I.C-2** हिन्दी कविता एवं काव्यसौंदर्य (Hindi poetry and kavya Soundarya)	-	-	-	-
Semester II	**HIN -II.C-3** हिन्दी नाटक:वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म (study of Hindi drama, Documentary and Feature film)	**HIN -II.C-4** हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता (Haasya – Vyangya Essay and journalism)	-	-	-	-
Semester III	**HIN-III C-5** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल) (History of Hindi literature Adi,Bhakti & Ritikaal)	**_**	**HIN-III E-1** प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन (Functional Hindi : Translation and Letter Writing)	**HIN-III E-2** मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ) (Medieval Poetry- selective poems)	**HIN-III E-3** हिन्दी महिला लेखन (Hindi Mahila Lekhan)	**HIN-III E-4** हिन्दी दलित लेखन (study of Hindi Dalit lekhan)
Semester IV	**HIN-IV.C-6** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (History of Hindi literature – modern era	**_**	**HIN-IV.E-5** हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक (Hindi Journalism- Print and Electronic Media)	**HIN-IV.E-6** विशेष अध्ययन: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (special study of poet – Suryakant Tripathi Nirala)	**HIN-IV.E-7** विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी (Special study of Hindi Story)	**HIN-IV.E-8** हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानीए वंउपन्यास) (Appreciation of Hindi

						Literature and review of poems, stories and novels)
Semester V	**HIN-V.C-7** भारतीय काव्यशास्त्र (Indian poetics)	_	**HIN-V. E-9** कथेत्तर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृतांत,आत्म कथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक) Kathetar gadya sahitya : sansmaran , yatravrutaant, evam jivni	**HIN-V.E-10** विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास (A study of Hindi Novel)	**HIN-V.E-11** मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन Media writing – Radio and Television	**HIN-V.E-12** हिंदी नाटक (Hindi Drama)
Semester VI	**HIN-VI.C-8** पाश्चात्य काव्यशास्त्र (western poetics)	_	**HIN-VI.E-13** हिंदी निबंध (Hindi essay)	**HIN-VI.E-14** भाषाविज्ञान (linguistics)	**HIN-VI.E-15** हिंदी भाषा,लिपि एवं व्याकरण (Hindi language, script and grammar)	**HIN-VI.E-16** साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन (Sahitya ka Antaranushasnatmak Adhayayn)

OPOTIONAL PAPER

Semester I	**FC-HIN.1** भाषा कौशल (Skills of language)
Semester II	**FC-HIN.2** व्यावहारिक हिन्दी (Functional/ Vyavaharik Hindi)

SKILL ENHANCEMENT COURSE

Semester-	**HIN-III.SEC-1** हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक) (Hindi Street Play)

III	
Semester- **IV**	**HIN-IV.SEC-2** हिन्दी एकांकी (Hindi One act Play)

PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE
AUTONOMOUS

DEPARTMENT OF HINDI

REVISED SYLLABUS OF B.A
SYLLABI OF SEMESTER I TO VI -ACADEMIC YEAR- 2020-2021

PART D

F.Y.B.A - (Semester – I)
Core Paper

Paper Title: हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन

Paper Code: HIN -I.C-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
प्रारंभिक कहानियों से लेकर वर्तमान समय तक लिखी जाने वाली कहानियों की विद्यार्थियों को जानकारी देना। ये कहानियाँ वर्तमान एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी होने के साथ ही मूल्यनिष्ठ कहानियाँ हैं। इसके साथ ही विद्यार्थियों को व्याकरण की भी जानकारी देनी है।

Course Outcome:
1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी।
3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित एवं प्रभावित होंगे
4) उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा और संघर्ष भावना निर्माण होगी।
5) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।

Syllabus:
कहानी संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कहानी संग्रह)

व्याकरण: शब्द के भेद, वर्तनी एवं शुद्धलेखन, शब्दयुग्म, मुहावरे, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, कारक का सामान्य परिचय।

इकाई विभाजन:

इकाई एक : (15 Lectures)

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'।
2. बड़े भाई साहब- प्रेमचंद।
3. परदा- यशपाल।

इकाई दो : (15 Lectures)

1. मलबे का मालिक- मोहन राकेश।
2. गोपाल को किसने मारा- मन्नू भण्डारी।
3. मुखौटा - ममता कालिया

इकाई तीन : (15 Lectures)

1. चीफ़ की दावत - भीष्म साहनी।
2. दिल्ली में एक मौत - कमलेश्वर।
3. अपनी वापसी- चित्रा मुद्गल।

इकाई चार : शब्द साधन (15 Lectures)

1. शब्द के भेद।
2. वर्तनी एवं शुद्धलेखन।
3. शब्दयुग्म।
4. मुहावरे।
5. पर्यायवाची शब्द।
6. वाक्यांश के लिए एक शब्द।
7. कारक का सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. नामवर सिंह, 'कहानी नयी कहानी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
2. मधुरेश, 'हिन्दी कहानी का इतिहास' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014
3. गोपालराय,'हिन्दी कहानी का इतिहास',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2018
4. रामचंद्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य',विश्वविद्यालय प्रकाशन 2016
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक कोई) (10)

प्रश्न 3 : टिप्पणियाँ/ संदर्भ सहित व्याख्या (10)

प्रश्न 4. व्याकरण (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – I)
Core Paper

Paper Title: हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य

Paper Code: HIN-I.C-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
मध्ययुगीन एवं आधुनिक कवियों एवं कविताओं की विद्यार्थियों को जानकारी देना। साथ ही काव्य सौंदर्य के अंतर्गत अलंकार, छंद एवं समास की जानकारी देना।

Course Outcome:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से -

6) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
7) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी।
8) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे।
9) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।
10) काव्यसौंदर्य में अलंकार छंद एवं समास ,से का ज्ञान प्राप्त होगा।

Syllabus:

कविता संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कविता संग्रह)
काव्य सौंदर्य: अलंकार, छंद एवं समास
इकाई विभाजन:

इकाई एक : **(15 Lectures)**

1. कबीर बानी। (10 दोहे)
2. सूर के पद । (5 पद)
3. रामराज्य वर्णन। (तुलसीदास, आरंभ के 5 दोहे एवं चौपाइयां)

इकाई दो : **(15 Lectures)**

1. रहीम के दोहे- रहीम।
2. जूही की कली- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।
3. सवेरे उठा तो धूप खिली थी- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

इकाई तीन : **(15 Lectures)**

1. बीस साल बाद- सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'।
2. बेजगह- अनामिका।
3. प्रेत का बयान- नागार्जुन

इकाई चार : काव्यसौंदर्य। **(15 Lectures)**

क) अलंकार - i)शब्दालंकार -अनुप्रास, यमक, श्लेष।
ii) अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा।

ख) छंद- i) मात्रिक छंद- दोहा, सोरठा, चौपाई।
ii) वर्णिक छंद- इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया।

ग) समास।

संदर्भ ग्रंथ

1. रामस्वरूप चतुर्वेदी, 'हिन्दी कवि का इतिहास',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. देवेन्द्रनाथ शर्मा,'काव्य के तत्व', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, 'मध्यकालीन बोध का स्वरूप', राजकमल प्रकाशन,2003
4. रामबहोरी शुक्ल, 'हिन्दी प्रदीप' हिन्दी भवन, इलाहाबाद, 2010
5. भगीरथ मिश्र-'काव्यशास्त्र',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी कविता एवं काव्य सौन्दर्य

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक कोई) (10)

प्रश्न 3: संदर्भ सहित व्याख्या (10)

प्रश्न 4 : व्याकरण (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)
Core Paper
Paper Title: हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म

Paper Code: HIN-II.C-3

Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objective
असगर वजाहत का नाटक 'जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई' के माध्यम से नाटक का परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवी मूल्यों का परिचय कराना। साथ ही वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म लेखन के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी देना।

Course Outcome:
1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा से परिचित होंगे।
2) नाटक की अवधारणा,स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।
3) जिस लाहौर नई देख्या ओ जम्याइ नई' नाटक एवं नाटककार असगर वजाहत के रचना संसार से परिचित होंगे।
4) सांप्रदायिक सद्भाव एवं मानवी मूल्यों का परिचय प्राप्त होगा।
5) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी।
6) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।

Syllabus:
1. जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई - असगर वजाहत
2. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म।

इकाई विभाजन:
इकाई - 1. : **(15 Lectures)**
1. नाटक की अवधारणा।
2. नाटक का स्वरूप।
3. नाटक के तत्त्व।

इकाई - 2. 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई' का पाठ्यालोचन। **(15 Lectures)**

इकाई - 3. 'जिस लाहौर नई देख्या वो जम्याइ नई का समीक्षात्मक अध्ययन।**(15 Lectures)**

इकाई - 4. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म। **(15 Lectures)**

1. वृत्तचित्र की अवधारणा एवं विशेषताएँ।
2. फीचर फिल्म की अवधारणा एवं विशेषताएँ।
3. वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म में अंतर।

संदर्भ ग्रंथ

1. दशरथ ओझा, 'हिन्दी नाटक का विकास',राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली,2003
2. साठोत्तर हिन्दी नाटक-के. वी. नारायण कुरूप लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
3. समकालीन फिल्मों के आईने में समाज-सत्यदेव त्रिपाठी शिल्पायन प्रकाशन,दिल्ली, 2013
4. साहित्य और सिनेमा -सं.डॉ.शैलजा भारद्वाज,चिंतन प्रकाशन,कानपुर, 2013
5. सिनेमा और साहित्य- हरीश कुमार संजय प्रकाशन,दिल्ली,2010
6. मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2002

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक की 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ नाट्य प्रस्तुतीकरण (Paper/Drama Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या/ (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)
Core Paper

Paper Title: हास्य - व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता
Paper Code: HIN-II.C-4

Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objectives:
भारतेन्दु युग से लेकर अब तक के हास्य- व्यंग्य निबंधों से विद्यार्थियों का परिचय कराना, ताकि वे हास्य-व्यंग्य निबंधों की गंभीरता एवं वैचारिकता को समझ सकें। साथ ही पत्रकारिता की जानकारी से विद्यार्थी रोजगार से जुड़ सकेंगे।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होंगे।
2) हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे।
3) हास्य एवं व्यंग्य के निबंधकारों से अवगत होंगे।
4) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
5) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।

Syllabus: **हिंदी हास्य-व्यंग्य निबंध संग्रह-** हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा

(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित निबंध संग्रह)
पत्रकारिता: सामान्य परिचय, भेद, उपयोगिता और महत्त्व।

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. हास्य एवं व्यंग्य के तत्त्व।
3. हास्य एवं व्यंग्य में अंतरसंबंध।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. नया साल- अमृतराय।
2. अपना मकान- इंद्रनाथ मदान।
3. पगडंडियों का जमाना- हरिशंकर परसाई।
4. मोची भया उदास -प्रेम जनमेजय

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. अध्यक्ष महोदय -शरद जोशी ।
2. घूस एक चिकनाई है- रवीद्र कालिया।
3. धमाका- अभिमन्यु अनत।
4. अच्छी हिन्दी - रवीन्द्र नाथ त्यागी

इकाई चार - **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय।
2. पत्रकारिता के भेद।
3. पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व। **(15 Lectures)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी,'हिन्दी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य',अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर,1978
2. डॉ. प्रेमनारायन टंडन,'हिन्दी साहित्य में हास्य-व्यंग्य',हिन्दी साहित्य भंडार,लखनऊ,1975
3. डॉ. *उषा शर्मा,'हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य'*,आत्माराम एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1985
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2007
5. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
6. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक की 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEC)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – I)
Optional Paper

Paper Title: व्यावहारिक हिन्दी

Paper Code:
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
आज साहित्यिक हिन्दी के साथ – साथ उसका व्यावहारिक रूप उभरकर सामने आ रहा है। उदाहरण के रूप में बैंक के क्षेत्र में, रेल विभाग में, रेडियो, दूरदर्शन तथा विभिन्न जनसंचार माध्यमों में हिन्दी के व्यावहारिक रूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) विविध क्षेत्रों में व्यावहारिक हिन्दी के प्रयोग से परिचित होंगे।
3) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे।
4) अनुवादप्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे।-
5) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।

पाठ्यक्रम एवं इकाई विभाजन

इकाई एक : व्यावहारिक हिन्दी का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं व्याप्ति (15 Lectures)

1. व्यावहारिक एवं साहित्यिक हिंदी: सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
3. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा (सामान्य परिचय)।

इकाई दो : व्यावहारिक हिन्दी के विविध क्षेत्र :सामान्य परिचय (15 Lectures)

कार्यालयीन पत्राचार- 1.आवेदन पत्र।
2. अनुस्मारक।
3. शिकायती पत्र।
4. बधाई पत्र।

इकाई तीन : अनुवाद (15 Lectures)

1. अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप।
2. अनुवाद की प्रक्रिया।
3. अनुवाद के प्रकार।
4. अनुवाद की उपयोगिता।

इकाई चार : हिन्दी व्याकरण (15 Lectures)

1. मानक वर्तनी लेखन।
2. वाक्य विन्यास।
3. लिंग।
4. वचन।
5. कारक।
6. उपसर्ग।
7. प्रत्यय।

   (सामान्य परिचय एवं प्रयोग**)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह -'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

व्यावहारिक हिन्दी

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना/साक्षात्कार (Assignment/interview) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. लिखित परीक्षा (Written Test) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEC)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)
Optional Paper

Paper Title: भाषा कौशल
Paper Code:
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल की वृद्धि कराना है। संगणक युग में भी भाषण, लेखन वाचन, लेखन कौशल बना रहे, इस दिशा में प्रयत्न कराना है। उन्हें क्रमश: इन चार कौशलों के माध्यम से उस सोपान तक ले जाना है, जहाँ वे हिन्दी भाषा का प्रयोग एवं लेखन सही ढंग से कर सकें।

Course Outcome:

1) विद्यार्थियों में भाषण-कला विकसित होगी।
2) विद्यार्थियों में श्रवण-क्षमता का विकास होगा।
3) विद्यार्थियों में वाचन-कौशल निर्माण होगा होगा।
4) विद्यार्थियों में लेखन-कला विकसित होगी।
5) विद्यार्थी हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।

Syllabus:

इकाई एक -भाषा-कौशल: सामान्य परिचय एवं भाषा-कौशल का महत्त्व (15 Lectures)

इकाई दो- भाषण एवं श्रवण कौशल। (15 Lectures)

1. भाषण एवं श्रवण कौशल का स्वरूप।
2. भाषण एवं श्रवण कौशल का महत्त्व।
3. भाषण एवं श्रवण कौशल के उद्देश्य।
4. भाषण एवं श्रवण कौशल की विशेषताएँ।
5. भाषण एवं श्रवण कौशल को बेहतर करने के उपाय।

इकाई तीन- वाचन कौशल। (15 Lectures)

1. वाचन कौशल का स्वरूप।
2. वाचन कौशल का महत्त्व।
3. वाचन कौशल के उद्देश्य।
4. वाचन कौशल की विशेषताएँ।

5. वाचन कौशल को बेहतर करने के उपाय।

इकाई चार- लेखन कौशल। (15 Lectures)

1. लेखन कौशल का स्वरूप।
2. लेखन कौशल का महत्त्व।
3. लेखन कौशल के उद्देश्य।
4. लेखन कौशल की विशेषताएँ।
5. लेखन कौशल को बेहतर करने के उपाय।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी का सही प्रयोग – नीलम मान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, 2013
3. ईश्वरचंद राही, 'लेखन कला का इतिहास',उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनऊ,1983
4. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
5. शशिबाला-'हिन्दी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2006

नोट : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से व्यावहारिक कार्य कराया जाएगा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

भाषा कौशल

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. साक्षात्कार (Interview) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. कहानी लेखन (Story writing) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : निबंध लेखन (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Core Course

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
Course Code: HIN-III C.5
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
प्रारंभ से लेकर रीतिकाल तक हिन्दी साहित्य के इतिहास की विद्यार्थियों को जानकारी देना। इससे विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि आज हिन्दी का जो स्वरूप है, उसका प्रारंभिक रूप किस प्रकार का था। वे प्राचीन हिन्दी भाषा और विशेष रूप से प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य से परिचित होंगे।

Course Outcome:

1) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों से-परिचित होंगे।
2) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे।
3) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे।
4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
5) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।

Syllabus:

इकाई **एक -आदिकाल** **(15 Lectures)**

आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई **दो- निर्गुण भक्तिधारा** **(15 Lectures)**

भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और संत एवं सूफी धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई **तीन- सगुण भक्तिधारा** **(15 Lectures)**

राम एवं कृष्ण भक्ति काव्य धारा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां।

इकाई **चार - रीति काल** **(15 Lectures)**

रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

संदर्भ ग्रंथ:

1) डॉ. बच्चन सिंह,हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2015
2) डॉ. विजयपाल सिंह,हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2011
3) डॉ. रामकुमार वर्मा,हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2010
4) डॉ.नगेन्द्र,हिन्दी साहित्य का इतिहास,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,दिल्ली,2014
5) आचार्य रामचंद्र शुक्ल,हिन्दी साहित्य का इतिहास,प्रभात प्रकाशन,दिल्ली,2006
6) डॉ. शिवकुमार शर्मा,हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई सड़क,दिल्ली,1986

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी की 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Elective Course

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन
Course Code: HIN-III. E-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
आजका युग आधुनिकीकरण,निजीकरण और भूमंडलीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में हिन्दी की भूमिका केवल साहित्यिक हिन्दी तक सीमित न रहकर नए ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों से गुजर रही है। इन क्षेत्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी की अहम भूमिका है। अनुवाद और पत्रलेखन का महत्व तथा उसकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर इन क्षेत्रों में बढ़ते अवसरों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) अनुवाद के प्रकारों से अवगत होंगे।
4) अनुवाद कला में निपुण होंगे।
5) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे

Syllabus:

इकाई एक- (15 Lectures)

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का सामान्य परिचय।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध क्षेत्र
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी और रोजगार के अवसर

इकाई दो - (15 Lectures)

1. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास।
2. राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधान

इकाई तीन - अनुवाद लेखन (15 Lectures)

1. अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप
2. अनुवाद के प्रकार।
3. कार्यालयीन अनुवाद
4. व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद
5. साहित्यिक अनुवाद
6. ई अनुवाद
7. अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष

इकाई चार- पत्र-लेखन (15 Lectures)

1. व्यावसायिक पत्र-लेखन: पूछताछ, क्रयादेश, अनुस्मारक।
2. कार्यालयीन पत्रलेखन: कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यवृत्त।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. अर्जुन चव्हाण,मीडिया कालीन हिन्दी:स्वरूप और संभावनाएँ,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2005
6. जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

प्रयोजनमूलक हिन्दी : अनुवाद एवं पत्रलेखन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक की 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. लिखित परीक्षा (written Test) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 3 अनुवाद लेखन (10)

प्रश्न4 पत्रलेखन (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Elective Course

Course Title: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)
Course Code: HIN-III E-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
विद्यार्थियों को मध्यकालीन परिस्थितियों से अवगत कराते हुए तत्कालीन कवियों से परिचित कराना। साथ ही रीतिकाल की कुछ प्रमुख शृंगारिक रचनाओं के माध्यम से यह बताना कि रीतिकालीन कविताएँ किस प्रकार दरबारी संस्कृति से जुड़ गई।

Course Outcome:

1) सगुण भक्ति काव्य परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे।
2) सगुण एवं निर्गुण काव्य से परिचित होंगे।
3) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे।
4) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे।
5) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई **1.**	कबीर और जायसी।	**(15 Lectures)**
इकाई **2.**	सूरदास और तुलसीदास।	**(15 Lectures)**
इकाई **3.**	रसखान और मीराबाई।	**(15 Lectures)**
इकाई **4.**	बिहारी और घनानन्द।	**(15 Lectures)**

(प्रत्येक के 10 दोहे एवं 5 पदों की व्याख्या)

संदर्भ ग्रंथ-

1) विश्वंभर 'मानव', 'प्राचीन कवि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2009
2) सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,*जायसी ग्रंथावली*- ना.प्र.स., वाराणसी,1995
3) विश्वनाथ त्रिपाठी, 'मीरा का काव्य,' वाणी प्रकाशन-21-ए,दरियागंज,नयी दिल्ली,2010
4) श्री. जगन्नाथदास 'रत्नाकर', 'बिहारी रत्नाकर,' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2015
5) डॉ. शिवकुमार शर्मा, 'हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ', अशोक प्रकाशन,नयी सड़क,दिल्ली,1986

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएं)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीयप्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्रप्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Elective Course

Course Title: हिन्दी महिला लेखन
Course Code: HIN-III E-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
हिन्दी में महिला लेखन अपने से पूर्व के साहित्य से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे।
2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे।
3) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे।
4) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।
5) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।

Syllabus:
इकाई एक -महिला लेखन की अवधारणा, पृष्ठभूमि, स्वरूप एवं विकास। (15 Lectures)

इकाई दो - तीन चयनित कहानियाँ। (15 Lectures)

1. तीसरा हिस्सा- मन्नू भण्डारी।
2. महानगर की मैथिली- सुधा अरोड़ा।
3. वापसी- उषा प्रियंवदा।

इकाई तीन - तीन चयनित कहानियाँ। (15 Lectures)

4. मामला आगे बढ़ेगा अभी - चित्रा मुद्गल।
5. फैसला - मैत्रैयी पुष्पा।
6. देशांतर – सुदर्शन प्रियदर्शिनी

इकाई चार- छह चयनित कविताएँ। (15 Lectures)

1. स्त्रियाँ -अनामिका।
2. चिड़ियाँ की आँख से- निलेश रघुवंशी।
3. घर की चौखट से बाहर- सुशीला टाकभोरे।
4. सात भाइयों के बीच चंपा- कात्यायनी।
5. अहल्या- प्रभा खेतान।
6. क्या तुम जानते हो - निर्मला पुतुल

संदर्भ ग्रंथ:

1) सरला माहेश्वरी,*नारी प्रश्न*, राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2007
2) क्षमा शर्मा, 'स्त्रीत्ववादी विमर्श: समाज और साहित्य',राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2008
3) माधुरी छेड़ा,'आधुनिक कथा साहित्य में नारी:स्वरूप और प्रतिमा',अरविंद प्रकाशन,बंबई,1994
4) कुमार राधा, 'स्त्री संघर्ष का *इतिहास*', नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2002

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी महिला लेखन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक :60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

S.Y.B.A - (Semester – III)
Elective Course

Course Title: हिंदी दलित लेखन
Course Code: HIN-III E-4
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
हिन्दी में दलित लेखन साहित्य की मुख्य धारा से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।
2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे।
3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे।
4) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।
5) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श और उसकी की आवश्यकता को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई 1. दलित लेखन की अवधारणा, स्वरूप, पृष्ठभूमि एवं विकास। (15 Lectures)

इकाई **2.** तीन चयनित दलित कहानियाँ। (15 Lectures)

इकाई **2.** तीन चयनित दलित कहानियाँ।

1) साजिश - सुरजपाल चौहान
2) सिलिया - सुशीला टाकभोरे
3) सुरंग - दयानन्द बटोही

इकाई **3.** तीन चयनित दलित कहानियाँ। (15 Lectures)

1) पच्चीस चौका डेढ़ सौ - ओमप्रकाश वाल्मीकि
2) आवाज़ें - मोहनदास नैमिषराय

3) तलाश - जयप्रकाश कर्दम

इकाई **4.** छह चयनित दलित कविताएँ। (15 Lectures)

1) वेद में जिनका हवाला - अदम गोंडवी
2) मै दूँगा माकूल जवाब - असंघोष
3) ये दलितों की बस्ती है - सुरजपाल चौहान
4) बस बहुत हो चुका - ओमप्रकाश वाल्मीकि
5) स्पार्टाकस - रमणिका गुप्ता
6) गूँगा नहीं था मैं - जयप्रकाश कर्दम

संदर्भ ग्रंथ-

1) तेज सिंह,*आज का दलित साहित्य*, अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2002
2) डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, 'चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य',नवलेखन प्रकाशन, बिहार,2001
3) डॉ.पुरुषोतम सत्यप्रेमी, 'दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में', कामना प्रकाशन दिल्ली,1999
4) डॉ. जयप्रकाश कर्दम 'दलित साहित्य', अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2003
5) डॉ.पुरुषोत्तम सत्यप्रेमी 'दलित साहित्य रचना और विचार', अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2001

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Core Course

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
Course Code: HIN-IV.C-6
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता के इतिहास से परिचित कराना। उन्हें यह बताना कि अपनी किन विशिष्टताओं के कारण आधुनिक काल की कविता और उसके कवि सीधे समाज और राष्ट्र प्रेम से जुड़े।

Course Outcome:

1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे।
2) आधुनिक काल के काल विभाजन का ज्ञान प्राप्त होगा।
3) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
4) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
5) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. भारतेन्दुयुगीन कविता।
2. द्विवेदी युगीन कविता।
3. छायावादी कविता।
4. राष्ट्रीय सांस्कृतिक कविता

इकाई दो - (15 Lectures)

1. प्रगतिवादी कविता।
2. प्रयोगवादी कविता।

3. नई कविता।
4. साठोत्तरी एवं समकालीन कविता

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. हिन्दी कहानी का विकास।
2. हिन्दी उपन्यास का विकास।

इकाई चार - (15 Lectures)

1. हिन्दी नाटक का विकास।
2. हिन्दी निबंध का विकास।

(उपरोक्त काव्य धाराओं/ विधाओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ)

संदर्भ

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2003
2. डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2002
3. डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, *'हिन्दी साहित्येतिहास'* अटलांटिक प्रकाशन एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली,1989
4. राजनाथ शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास'* विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,1978
5. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्यका इतिहास*', नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली, 1973
6. डॉ.शिवकुमार शर्मा, '*हिन्दी साहित्य:युग और प्रवृत्तियाँ*', अशोक प्रकाशन, नयी सड़क, दिल्ली,1970

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

आंतरिकमूल्यांकन:

पूर्णांक :60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Elective Course

Course Title: हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक
Course Code: HIN-IV.E-5
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) मुद्रित माध्यमों में रोजगार के अवसरों की विद्यार्थियों को जानकारी देना।
3) इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की बढ़ती व्याप्ति को समझते हुए उसमें प्राप्त रोजगार संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे।
2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों को समझेंगे।
3) पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा।
4) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा।
5) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।

Syllabus:

इकाई एक- पत्रकारिता का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं महत्त्व (15 Lectures)
इकाई दो - (15 Lectures)

1. पत्रकारिता के विविध प्रकार (खेल पत्रकारिता, मनोरंजन पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता)।
2. माध्यम के आधारपर प्रकार (प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक)
3. पत्रकारिता संबंधी कानून।

इकाई तीन- हिन्दी मुद्रित पत्रकारिता का उद्भव और विकास (15 Lectures)

1. स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी पत्रकारिता।
2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता।
3. संचार क्रांति के बाद की पत्रकारिता।

इकाई चार - हिन्दी की इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता। (15 Lectures)

क) रेडियो पत्रकारिता

ख) टी. वी. पत्रकारिता

ग) इंटरनेट पत्रकारिता

घ) सोशल मीडिया (फेसबूक, ट्विटर, वाट्सएप, ब्लॉग, यूट्यूब)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कैलाशनाथ पाण्डेय,'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007

2. डॉ.अंबादास देशमुख,'प्रयोजनमूलक हिन्दी के अधुनातन आयाम',शैलजा प्रकाशन,कानपुर,2006

3.डॉ.रामप्रकाश,डॉ. दिनेशगुप्त, 'प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी',राधाकृष्णप्रकाशन, नईदिल्ली,2014

3. एन. सी. पंत, 'पत्रकारिता का इतिहास' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली,2002

4. सविता चड्ढा,'हिन्दी पत्रकारिता: सिद्धान्त और स्वरूप' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,

दिल्ली,1995

5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ. रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'* समवेत प्रकाशन, रामबाग ,कानपुर,2005

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक से 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न(2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Course Code: HIN-IV.E-6
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के समग्र जीवनवृत्त एवं साहित्य से परिचित कराना। विद्यार्थियों को यह बताना कि निराला किस प्रकार छायावादी अन्य कवियों से अलग और महत्वपूर्ण थे।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे।
3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे।
4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता से अवगत होंगे।
5) निराला के साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. निराला का जीवन वृत्त।
2. निराला की काव्य दृष्टि।
3. निराला का गद्य साहित्य।

इकाई दो - (15 Lectures)

1. गीतिका के पद
2. बाँधो न नाव इस ठाव
3. जागो फिर एक बार।(कोई एक खंड)
4. सखी,वसंत आया।

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. दान।
2. स्नेह निर्झर बह गया है।
3. बादल राग। (कोई एक खंड)
4. संध्या सुंदरी

इकाई चार- (15 Lectures)

'बिल्लेसुर बकरिहा' रेखाचित्र का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. नंदकिशोर नवल, *'निराला रचनावली-1'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
2. नंदकिशोर नवल, *'निराला रचनावली-2'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
3. बच्चन सिंह, *'आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007
4. प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित,*'निराला समग्र'*, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ,2015
5. डॉ. फणीश सिंह,*'हिन्दी साहित्य-एक परिचय'*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2006

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – IV)
Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी
Course Code: HIN-IV.E-7
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) विद्यार्थियों को कहानी एवं उसके इतिहास से परिचित कराना।
3) विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रमुख कहानिकारों का परिचय कराना।

Course Outcomes:

1) हिन्दी कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप समझेंगे।
2) हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे।
3) प्रेमचंद की कहानी कला परिचित होंगे।
4) फणीश्वर रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे।

हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

इकाई **एक -** (15 Lectures)

कहानी: स्वरूप एवं तत्त्व।

इकाई **दो** - मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. ईदगाह
2. रामलीला
3. सद्गति

इकाई तीन- फणीशवरनाथ रेणु की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. पंचलाइट
2. लालपान की बेगम
3. ठेस

इकाई **चार**- सूर्यबाला की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. आखिरी विदा

2. बाऊजी और बंदर
3. होगी जय, होगी जय...हे पुरुषोत्तम नवीन!

संदर्भ ग्रंथ-

1. गोपाल राय,'*हिन्दी कहानी का इतिहास*,'राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2008

2. बच्चन सिंह,'*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'* ,राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004

3. रामस्वरूप चतुर्वेदी,*'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2005

4. डॉ.सूर्यबाला की 21 श्रेष्ठ कहानियाँ, डायमंड पब्लिकेशन,दिल्ली

5. डॉ. फणीश सिंह,'*हिन्दी साहित्य: एक परिचय*,राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2006

6. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्यका इतिहास'*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली,1973

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्यपरियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester - IV)
Elective Course

Paper Title: हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता, कहानी एवं उपन्यास)
Paper Code: HIN-IV.E-8
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) चयनित हिन्दी साहित्यका संकलन एवं विश्लेषण कराना।
2) हिन्दी साहित्यिक परंपरा का अभ्यास कराना।
3) हिन्दी साहित्य पर प्रपत्र बनाने का अभ्यास कराना।
4) हिन्दी साहित्य का आस्वादन, समीक्षा और शोध कार्य हेतु प्रवृत्त कराना।

Course Outcomes:

1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे।
4) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे।
5) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई **एक -** (15 Lectures)

समीक्षा का अर्थ, स्वरूप एवं आधार.

इकाई **दो -कविता** (15 Lectures)

कैदी और कोकिला – माखनलाल चतुर्वेदी।

यशोधरा (कुछ अंश)- मैथिलीशरण गुप्त

इकाई **तीन- कहानी** (15 Lectures)

पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद

यही सच है – मन्नू भंडारी।

कर्मनाशा की हार- शिवप्रसाद सिंह

इकाई **चार- उपन्यास** (15 Lectures)

त्यागपत्र - जैनेन्द्र।

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली। संस्करण-2016
2. हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। संस्करण-2014
3. डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, '*समीक्षा के विविध रंग*, विद्या प्रकाशन, कानपुर,2014
4. डॉ. मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे,'*अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया*विद्या प्रकाशन, कानपुर,2013
5. अभिलाषा दिवाकर, '*शोध कैसे करें*, मार्क पब्लिशर, जयपुर,2014

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी, एवं उपन्यास)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Core Course

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र

Course Code: HIN-V.C-7
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी देना।
2) भारतीय आचार्यों के चिंतन का ज्ञान प्राप्त कराना।
3) साथ ही हिन्दी के आधुनिक आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन की जानकारी देना।

Course Outcome:

1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे।
2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4) साहित्यसृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।-
5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. काव्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
2. काव्य के भेद।
3. काव्य के तत्व।
4. काव्य के हेतु।
5. काव्य प्रयोजन।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. रस सिद्धान्त- स्वरूप, अवयव और उसके भेद।
2. अलंकार सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. ध्वनि सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

2. रीति सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. वक्रोक्ति सिद्धान्त- सामान्य परिचय।
2. औचित्य सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भगीरथ मिश्र, ' काव्यशास्त्र' विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी, 1970
2. डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी, '*काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य',* आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
3. जयचंद्र राय, '*आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: सिद्धान्त और साहित्य',* भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली,1963
4. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित, *'रस सिद्धान्त:स्वरूप-विश्लेषण'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1972
5. डॉ. संजय नवले,*'साहित्यशास्त्र',* दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर, 2009
6. बलदेव उपाध्याय, 'भारतीय साहित्यशास्त्र', प्रसाद परिषद, काशी, 1955

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

भारतीय काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी
(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)
Course Code: HIN-V.E-9
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम से हिन्दी गद्य की मुख्य विधा के अलावा विद्यार्थियों को अन्य विधाओं की जानकारी देना। इनमें मुख्य विधाएँ हैं- संस्मरण साहित्य, यात्रा साहित्य, आत्मकथा साहित्य एवं जीवनी साहित्य। इन विधाओं में आज काफी लेखन कार्य हो रहा है, इसकी उन्हें जानकारी देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे।
2) रेखाचित्र, संस्मरण लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) साहित्य यात्रावृत्त का महत्व एवं आवश्यकता को समझेंगे।
4) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकासक्रम को समझेंगे।-
5) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**
रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य: अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

इकाई दो - **(15 Lectures)**
रेखाचित्र, संस्मरण एवं यात्रा वृतांत का उद्भव एवं विकास।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**
आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य का उद्भव एवं विकास।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक: माटी की मूरतें- रामवृक्ष बेनीपुरी (चयनित)।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. शांति खन्ना, '*आधुनिक हिन्दी का जीवनीपरक साहित्य*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलो रोड, दिल्ली,1973
2. डॉ. संजय नवले,*'साहित्यशास्त्र',* दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स,कानपुर, 2009
3. डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2002
4. डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
5. डॉ. सुधाकर कलवडे, *'साहित्यशास्त्र परिचय',* पुस्तक संस्थान नेहरू नगर, कानपुर, 1985

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण,यात्रा,वृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी

(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास
Course Code: HIN-V.E-10

Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास का स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी उपन्यास के विकासक्रम की जानकारी देना। साथ ही उपन्यासकारों के उद्देश्य को उन तक पहुँचाना।

Course Outcome:

1) उपन्यास के स्वरूप एवं तत्व को समझेंगे।
2) उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे।
3) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे।
4) 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से उसकी की मूल संवेदना से परिचित होंगे।
5) विद्यार्थी 'दौड़' उपन्यास के माध्यम से भूमंडलीकरण की अवधारणा से ज्ञात होंगे।
6) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

उपन्यास: स्वरूप एवं तत्व।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

निर्मला – मुंशी प्रेमचंद।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

दौड़ – ममता कालिया

इकाई चार- **(15 Lectures)**

निर्धारित उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. रामलखन शुक्ल, '*हिन्दी उपन्यास कला*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलौ रोड, दिल्ली, 1972
2. डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, *'हिन्दी साहित्य:प्रकीर्ण विचार'*, शोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली, 1967
3. डॉ. रामनारायण सिंह, *'मधुर हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास'*, ग्रंथम, रामबाग, कानपुर, 1971
4. डॉ. ज्ञान अस्थाना, '*हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1979
5. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, '*हिन्दी कथा साहित्य*', हिन्दी ग्रंथ-रत्नाकर कार्यालय, बंबई, 1954

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन

Course Code: HIN-V.E-11
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना। विशेष रूप से रेडियो एवं टेलीविज़न से संबंधित लेखन से उन्हें अवगत कराना, क्योंकि आज रेडियो एवं टेलीविज़न मीडिया का सशक्त माध्यम बन गया है।

Course Outcome

1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2) रेडियो एवं टेलीविज़न पत्रकारिता से अवगत होंगे।
3) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे।
4) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा।
5) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 lectures)**

मीडिया लेखन : स्वरूप, सिद्धान्त एवं महत्त्व।

इकाई दो - **(15 lectures)**

1. रेडियो लेखन के सिद्धान्त।
2. रेडियो लेखन के प्रकार: समाचार लेखन, रेडियो वार्ता, भेंट वार्ता, चर्चा-परिचर्चा, रेडियो नाटक,संचालन कला (रेडियो जॉकी)

इकाई तीन - **(15 lectures)**

1. टेलीविज़न लेखन के सिद्धान्त।
2. टेलीविज़न लेखन के प्रकार: समाचार लेखन, साक्षात्कार, धारावाहिक, वेबसीरीज लेखन।

इकाई चार - रेडियो और टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक रूप का अध्ययन **(15 lectures)**

1. रेडियो वार्ता लेखन।
2. संवाद लेखन।
3. दृश्य रूपान्तरण।
4. भेंट-वार्ता।
5. रेडियो समाचार लेखन।
6. रेडियो विज्ञापन लेखन।
7. टेलीविज़न विज्ञापन लेखन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. अंबादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी:अधुनातन आयाम'* , शैलजा प्रकाशन, कानपुर,2006
2. सं. डॉ. सुभाष तलेकर, '*रोजगाराभिमुख हिन्दी : दिशाएँ एवं संभावनाएँ*', नंदादीप प्रकाशन, पुणे, 2010
3. डॉ॰ सुजाता वर्मा, '*पत्रकारिता और मीडिया,'* विकास प्रकाशन, कानपुर, 2016
4. रामशरन जोशी, '*मीडिया विमर्श*', सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2002
5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ.रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, समवेत, रामबाग, कानपुर, 2005

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविज़न

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. फिल्म/विज्ञापन /प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Film/Advertisement/Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: हिंदी नाटक
Course Code: HIN-V.E-12
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना। उन्हें नाटक के उद्भव एवं विकास की जानकारी देना। साथ ही एक नाटक का अध्ययन कराना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।
2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
3) अभिनय कौशल का विकास होगा।
4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी।
5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. नाटक: स्वरूप एवं तत्व।
2. भारतीय नाट्य परंपरा।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

हिन्दी रंगमंच का विकास।

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश (पाठालोचन)

इकाई चार- **(15 Lectures)**

आषाढ़ का एक दिन का तात्विक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. डॉ. सविता चौधरी, *'साठोत्तरी हिन्दी नाटक',* विद्या प्रकाशन गुजैनी, कानपुर, 2012
5. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
6. डॉ. बच्चन सिंह, *'हिन्दी नाटक',* साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद,1958

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी नाटक

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. नाट्य/प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Drama /Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Core Course

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र
Course Code: HIN-VI.C-8
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को प्रमुख पाश्चात्य विचारकों से परिचित कराना। विद्यार्थियों को पाश्चात्य विचारकों के सिद्धांतों और वादों की जानकारी देना और साथ ही उन्हें आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

Course Outcome:

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।
3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे।
4) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों को समझेंगे।
5) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Lectures)**

1. प्लेटो।
2. अरस्तू।

इकाई दो - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Lectures)**

1. मैथ्यू आरनाल्ड।
2. टी.एस. इलिएट।

इकाई तीन- प्रमुख पाश्चात्य सिद्धान्त **(15 Lectures)**

1. अभिजात्यवाद।
2. मार्क्सवाद।

इकाई चार- आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त **(15 Lectures)**

1. संरचनावाद।
2. उत्तर संरचनावाद।

संदर्भ ग्रंथ:

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, ए95-, सेक्टर5-, नोएडा201301-
2. पाश्चात्य काव्य चिंतन, डॉ॰ करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा॰ लि॰, नई दिल्ली।
3. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा,* संडॉ.नगेन्द्र ., डॉसावित्री सिन्हा., दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,1966
4. *पाश्चात्य काव्यशास्त्रअधुनातन संदर्भ :, सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश, संस्करण2003-*
5. *नया हिन्दीकाव्य-,* डॉशिव कुमार मिश्र ., अनुसंधान प्रकाशन, आचार्यनगर, कानपुर, 1962
6. *काव्यशास्त्र :भारतीय एवं पाश्चात्य,* डॉकन्हैयालाल अवस्थी ., आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
7. *नया साहित्य नए प्रश्न,* नन्ददुलारे वाजपेयी, विद्यामन्दिर प्रेस, मानमंदिर, वाराणसी, 1959
8. *साहित्य समीक्षा,* मुद्रारक्षस, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963
9. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत,* शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण1997-।

*****

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक:40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Elective Course

Course Title: हिंदी निबंध

Course Code: HIN-VI.E-13
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी निबंध के स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी निबंध के क्रमिक विकास से परिचित कराना। साथ ही एक निबंध संग्रह के अध्ययन के माध्यम से निबंध विधा की जानकारी देना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप एवं तत्त्व को समझेंगे।
2) हिंदी निबंध के उद्भव एवं विकास की जानकारी होगी।
3) हिन्दी के प्रमुख निबंधकार एवं उनके निबंधों से अवगत होंगे।
4) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से परिचित होंगे।
5) निबंध लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

निबंध: स्वरूप, तत्व एवं भेद।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1) भारत वर्षोन्नति - भारतेन्दु हरिश्चंद्र -
2) आचरण की सभ्यता - सरदार पूर्ण सिंह
3) उत्साह - रामचन्द्र शुक्ल
4) नाखून क्यों बढ़ते है? **-** हजारी प्रसाद द्विवेदी

5) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है- विद्यानिवास मिश्र-

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

जिंदगी मुस्कुराई- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (कोई पाँच)

इकाई चार - **(15 Lectures)**

निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, *'साहित्यिक निबंध',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
2. डॉ. भोलानाथ, *'हिन्दी साहित्य'* हिन्दी परिषद, प्रकाशन प्रयाग, 1971
3. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* मयूर पेपरबैक्स, 2014

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी निबंध

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक :40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Elective Course

Course Title: भाषाविज्ञान

Course Code: HIN-VI.E-14
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान की जानकारी देना। उसके अध्ययन क्षेत्र एवं दिशाओं का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की जानकारी देना।

Course Outcome

1) भाषा का अर्थ एवं स्वरूप एवं विशेषताओं से परिचित होंगे।
2) भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों की जानकारी प्राप्त होगी।
3) भाषाविज्ञान के अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे।
4) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी।
5) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा।
6) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. भाषा: परिभाषा एवं विशेषताएँ।
2. भाषा परिवर्तन के कारण
3. भाषाविज्ञान: परिभाषा और अध्ययन की दिशाएँ।

इकाई दो - ध्वनि विज्ञान: **(15 Lectures)**

1. ध्वनि का स्वरूप।
2. ध्वनियों का वर्गीकरण।
3. ध्वनि परिवर्तन के कारण।

इकाई तीन - रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान। **(15 Lectures)**

1. रूप विज्ञान: स्वरूप।
2. अर्थतत्व एवं संबंध तत्व।
3. रूप परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
4. वाक्य विज्ञान: वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
5. वाक्य के भेद।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. अर्थ विज्ञान: स्वरूप।
2. अर्थ बोध के साधन।
3. अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'भाषाविज्ञान'*,किताबमहल इलाहाबाद, 1991

2. डॉ. हनुमंतराव पाटील, *'भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा',* विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2009

3. डॉ. राजमणि शर्मा, *'आधुनिक भाषाविज्ञान',* महाशक्ति साहित्य मंदिर, वाराणसी, 1983

4. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'शब्द विज्ञान',* शब्दकार, तुर्कमार गेट, दिल्ली, 1982

5. डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ.देवेंद्र प्रसाद सिंह, *'भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा',* निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली,2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

भाषाविज्ञान

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Elective Course

Course Title: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

Course Code: HIN-VI.E-15
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की जानकारी देना। भाषा परिवर्तन के कारणों का पता लगाना। देवनागरी लिपि से परिचित कराना एवं उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालना और साथ ही विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण से अवगत कराना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे।
2) देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं नामकरण से परिचित होंगे।
3) देवनागरी लिपि विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।
4) हिन्दी की वर्णरचना से परिचित होंगे।-व्यवस्था एवं रूप-
5) विकारी एवं अविकारी शब्दों से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. भाषा : प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्यभाषा।
2. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. लिपि- देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
3. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

1. व्याकरण: वर्ण विचार- स्वर, व्यंजन।
2. शब्दसाधन- विकारी एवं अविकारी शब्दों का सामान्य परिचय।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया का रूपान्तरण ।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. ब्रज किशोर प्रसाद सिंह, *'हिन्दी व्याकरण',* नमन प्रकाशन, दरियागंज,दिल्ली, 2009
2. कामताप्रसाद गुरु, *'हिन्दी व्याकरण',* हिन्दी-मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2011
3. डॉ. हरदेव बाहरी, *'व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1997
4. श्री शरण, *'हिन्दी-अशुद्धियाँ संदर्भ शोधन',* प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, 1997
5. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, अत्यावश्यक हिन्दी व्याकरण, फडके बुकसेलर्स, कोल्हापुर, 1993

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/ Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरीप्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Elective Course

Course Title: साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन
Course Code: HIN-VI.E-16
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्य तथा साहित्येतर विद्या शाखाओं की जानकारी देना। उनके अंत:संबंध का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही साहित्येतर विद्या शाखाओं का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव बताना।

Course Outcome:

1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे।
2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे।
3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे।
4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।
5) साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. साहित्य एवं अन्य विद्या शाखाओं का संबंध।
2. साहित्य एवं इतिहास।
3. साहित्य एवं दर्शन।
4. साहित्य एवं मनोविज्ञान।

इकाई दो - **(15 Lectures)**
साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन - लिंग, वर्ण, वर्ग एवं संप्रदाय।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**
व्यावहारिक अध्ययन के लिए निर्धारित कृति ग्लोबल गाँव का देवता- रणेन्द्र

इकाई चार - **(15 Lectures)**
निर्धारित कृति का तात्विक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. राधाकृष्णन, '*भारतीय दर्शन-भाग एक*', राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2012
2. डॉ. राधाकृष्णन, *'भारतीय दर्शन भाग दो'*, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2013
3. श्रीनलिन विलोचन शर्मा, *'साहित्य का इतिहास-दर्शन'*, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना. 1959
4. डॉ. सुरिंदरकौर गौड़, *'सौंदर्यशास्त्र'* अभय प्रकाशन, कानपुर, 2015
5. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, *'हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1'*, ज्ञान मंडल, लिमिटेड, वाराणसी, 2007

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न(2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Skill Enhancement Course

Course Title: हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)
Course Code: HIN-II. SEC-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पथनाट्य लेखन हेतु प्रवृत्त करना।
2) पथनाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों के अभिनय कौशल को विकसित करना।
3) विदयार्थी पथनाट्य को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Course Outcomes :

1) पथनाट्य की अवधारणा,स्वरूप एवं विकास से परिचित होंगे।
2) पथनाट्य के तत्व एवं सरोकार का ज्ञान प्राप्त होगा।
3) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे।
4) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे।
5) अभिनय के साथसाथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा।-
6) पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक: (15 Lectures)

1. पथनाट्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. पथनाट्य का विकास।
3. पथनाट्य के तत्व एवं सरोकार

इकाई दो: (15 Lectures)

1. गिरगिट - रमेश उपाध्याय
2. जनता पागल हो गई है - शिवराम।

इकाई तीन: (15 Lectures)

1. सबसे सस्ता गोश्त- असगर वजाहत।
2. देखो, वोट बटोरे अन्धा-असगर वजाहत।

इकाई चार: (15 Lectures)

उपर्युक्त नाटकों का तात्विक विवेचन।

(व्यावहारिक कार्य: पथनाट्य : प्राथमिक लेखन, प्रकट वाचन, समूह चर्चा, पुनर्लेखन पथनाट्य: समूह में प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन।)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कुसुम त्रिपाठी, 'नुक्कड़ नाटक कैसे खेले', आह्वान नाट्य मंच प्रकाशन,बम्बई 1995
2. निदेशालय,प्रौढ़ शिक्षा,नुक्कड़ भाग- 1,2 जामनगर हाऊस, हटमेंटस,नई दिल्ली 1995
3. सं. अखिलेश कुमार मिश्र,*'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
4. हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,1988
5. चन्द्रेश, 'नुक्कड़ नाटक', राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली,1983
6. असगर वजाहत, 'सबसे सस्ता गोश्त',राजपाल एंड सन्स,कश्मीरी गेट,दिल्ली,2015

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक :60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा(MCQ/ Written Test) (20)
3. पथनाट्य प्रस्तुतीकरण (street play Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक:40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester –IV)
Course Title: हिन्दी एकांकी
Course Code: HIN-IV. SEC-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

12.विद्यार्थियों को एकांकी का परिचय कराना।
13.विद्यार्थी एकांकी की आवश्यकता को समझ सकें।
14.इसके माध्यम से विदयार्थी एकांकी को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Course Outcomes:

1) एकांकी की अवधारणा,स्वरूप एवं तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।
2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा।
3) रंगमंचीयता एवं उसके विकास से परिचित होंगे।
4) प्रमुख एकांकियों का अध्ययन कर उद्देश्य से अवगत होंगे।
5) विद्यार्थी अभिनय,एवं संवाद कला में निपुण होंगे।
6) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण में दक्षता प्राप्त करेंगे।
7) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. एकांकी: अवधारणा, स्वरूप एवं विकास।
2. एकांकी के तत्त्व।
3. रंगमंचीयता एवं उसका विकास।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. भोर का तारा- जगदीश चंद्र माथुर।(पाठ विवेचन)
2. धीरे बहो गंगा- लक्ष्मी नारायण लाल।(पाठ विवेचन)

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. आवाज नीलाम - धर्मवीर भारती (पाठ विवेचन)
2. जुलूस- कणाद ऋषि भटनागर (पाठ विवेचन)

इकाई चार - निर्धारित रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन **(15 Lectures)**

1. अभिनेयता
2. रंगमंचीयता
3. संवाद योजना
4. निर्देश

संदर्भ ग्रंथ-

1. गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2003
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
5. डॉ. रामशरण महेंद्र, '*एकांकी और एकांकीकार*, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,2001
6. सं.अखिलेश कुमार मिश्र,*'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
7. डॉ. सुरेन्द्र यादव, 'एकांकी और एकांकी',राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2001

****

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी एकांकी

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

4 कार्य परियोजना/एकांकी लेखन (Assignment) (20)

5 बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा(MCQ/ Written Test) (20)

6 एकांकी /प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/PptPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)

POSTGRADUATE DEPARTMENT OF HINDI
COURSE STRUCTURE

SEM	CORE COURSES			ELECTIVE COURSES			
I	**PG HIN C-1** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	**PG HIN C-2** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	**PG HIN C-3** भाषाविज्ञान	**PG HIN E-1** विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	**PG HIN E-2** दलित विमर्श	**PG HIN E-3** अनुवाद	---
II	**PG HIN C-4** हिन्दी साहित्य का इतिहास:आधुनिक काल	**PG HIN C-5** आधुनिक काव्य	**PG HIN C-6** विशेष विधा: उपन्यास	**PG HIN E-4** विशेष विधा : कहानी	**PG HIN E-5** आलोचक और आलोचना	**PG HIN E-6** पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम	---
III	**PG HIN C-7** भारतीय काव्यशास्त्र	**PG HIN C-8** प्रयोजनमूलक हिन्दी	---	**PG HIN E-7** भारतीय साहित्य	**PG HIN E-8** नाटक एवं रंगमंच	**PG HIN E-9** आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	**PG HIN E-13** हिन्दी भाषा,लिपि, व्याकरण एवं सर्वेक्षण
IV	**PG HIN C-9** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**PG HIN C-10** मीडिया लेखन	---	**PG HIN E-10** आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)	**PG HIN E-11** स्त्री विमर्श	**PG HIN E-12** गद्य की अन्य विधाएँ	**PG HIN E-14** शोध प्रविधि

PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE (AUTONOMOUS)

POST GRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

REVISED SYLLABUS OF M.A. HINDI (2020-2021)

Semester – I

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)
Course Code: PG HIN C-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल की विस्तृत जानकारी देना। इससे विद्यार्थी आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के साहित्य से परिचित होंगे। साथ ही वे साहित्य और समाज के संबंध से भी परिचित होंगे।

Learning Outcome:

1) साहित्य के इतिहास दर्शन का ज्ञान होगा।
2) साहित्येतिहास लेखन के स्रोतों से परिचित होंगे।
3) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
4) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे।
5) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
6) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं का परिचय प्राप्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी साहित्य के इतिहास की भूमिका **(15 Hours)**

1. इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन के स्रोत।
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा।
4. काल विभाजन एवं नामकरण।

इकाई दो - आदिकाल **(15 Hours)**

1. नाथ, सिध्द और जैन साहित्य
2. रासो काव्य की परंपरा और उसकी प्रामाणिकता
3. लौकिक साहित्य

इकाई तीन - भक्तिकाल **(15 Hours)**

1. भक्ति आंदोलन एवं सांस्कृतिक चेतना
2. संत काव्यधारा
3. सूफी काव्यधारा
4. राम-भक्ति काव्य
5. कृष्ण भक्तिकाव्य

इकाई चार - कृष्ण भक्ति काव्य एवं रीतिकाल **(15 Hours)**

1. रीतिकाल का उद्भव एवं विकास
2. दरबारी संस्कृति और रीतिकाव्य
3. रीतिकाल की विविध शाखाएँ:

क) रीतिबद्ध काव्य।

ख) रीतिसिद्ध काव्य।

ग) रीतिमुक्त काव्य।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंको की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणीयाँ (पाँच में से किन्ही तीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, विश्वभारती प्रकाशन नागपुर, 2005
2. नगेन्द्र (सं), *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, मयूर पेपर बैक्स नौएडा-201301, 2015
3. बच्चन सिंह, *'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1996
4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
6. हिंदी साहित्य का अतीत, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
7. हिंदी साहित्य का इतिहास, विजयेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 2015
8. हिंदी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
9. हिंदी साहित्य उद्भव और विकास, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015
10. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास, विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वॉन, नई दिल्ली, 2013
11. सुमन राजे, *'हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास'*, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2003
12. वासुदेव सिंह, *'हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास' खंड-1 और खंड-2*, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1982
13. डॉ. फणीश सिंह, *'हिन्दी साहित्य एक परिचय'*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
14. डॉ. शिवकुमार शर्मा, *'हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ'*, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, 2015

****

Course Title: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
Course Code: PG HIN C-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक के प्रमुख कवियों की कविताओं की जानकारी देना। साथ ही इन प्रमुख कवियों के जीवन और उनकी काव्य दृष्टि से परिचित कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी प्राचीन एवं मध्ययुगीन कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) हिन्दी काव्य परंपरा और समाज पर पड़े उसके प्रभाव का ज्ञान होगा।
3) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी।
4) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे।
5) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई एक - आदिकालीन कवि विद्यापति एवं गोरखनाथ **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि एवं भाव सौन्दर्य
3. शिल्प सौन्दर्य
4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक-विद्यापति पदावली सं.रामवृक्ष बेनीपुरी

पद्संख्या-वंदना-1, 2
वय:संधि-4, 5
नख शिख-10,11
प्रेम प्रसंग-27,34
विरह-187,191
प्रार्थना और नचारी-243

5. निर्धारित पाठ्य पुस्तक- गोरखबानी, (संपादक पीतांबरदत्त बड़त्थवाल) से 15 पद।

इकाई दो - निर्गुण कवि: कबीर एवं मलिक मोहम्मद जायसी **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौंदर्य
3. शिल्प सौंदर्य
4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
   पदसंख्या: 1, 2, 5, 12, 22, 33, 66, 67, 130, 134, 153, 160, 162, 163, 224
5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- जायसी ग्रंथावली, संपादक-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   नागमती-वियोग खंड

इकाई तीन - सगुण कवि: गोस्वामी तुलसीदास एवं सूरदास **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य दृष्टि, विचार एवं भाव सौंदर्य।
3. शिल्प सौंदर्य
4. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- रामचरितमानस, गोस्वामी तुलसीदास
   उत्तरकाण्ड - दोहा क्रमांक 114 ख से 122 ख तक
5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक- भ्रमरगीतसार, सूरदास, (संपादक, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)
   पदसंख्या: 9,21,22,23,24,25,29,34,35,36,37,38,41,57,64,

इकाई चार - रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि: बिहारी एवं घनानंद **(15 Hours)**

1. जीवन परिचय एवं साहित्य
2. काव्य की शृंगारिकता
3. भक्ति एवं नीतिगत विचार
4. भाषिक सौंदर्य
5. निर्धारित पाठ्यपुस्तक (सं) बिहारी रत्नाकर, जगन्नाथदास रत्नाकर
   दोहा संख्या - 1, 2, 13, 16, 25, 35, 38, 41, 73, 94, 160, 188, 225, 300, 345
6. निर्धारित पाठ्यपुस्तक-घनानंद कवित्त (सं) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
   कवित्त संख्या: 1, 2, 4, 15, 41, 43, 46, 58, 59, 70, 75, 77, 79, 82, 84

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणीयाँ (चार में से किन्ही दो) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विद्यापति, डॉ॰ शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
2. मालिक मुहम्मद जायसी, संपा॰ विनोद चन्द्र पाण्डेय, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1966
3. पद्मावत, संपादक - माताप्रसाद गुप्त, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1965
4. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1993,
5. कबीर मीमांसा, रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2003
6. पूरा कबीर, संपा॰ डॉ॰बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली, 2005
7. तुलसीदास, डॉ॰ माताप्रसाद गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
8. तुलसी काव्य मीमांसा, उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
9. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997
10. घनानंद काव्य और आलोचना, डॉ॰ किशोरीलाल, साहित्य भवन, प्रा॰लि॰, इलाहाबाद, 1987

***

Course Title: भाषाविज्ञान
Course Code: PG HIN C-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को भाषा और भाषा विज्ञान की जानकारी देना। उन्हें भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं से परिचित कराना। साथ ही भाषा विज्ञान की पाश्चात्य परंपरा एवं भाषा, बोली एवं समाज के आपसी संबंध को बताना।

Learning Outcome:

1) भाषा और भाषा विज्ञान के पारस्परिक संबंध से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी भाषा, बोली और समाज के आपसी सम्बन्धों से परिचित होंगे।
3) भाषा एवं भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे।
4) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी।
5) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा।
6) अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - भाषाविज्ञान **(15 Hours)**

1. भाषा: परिभाषा, स्वरूप एवं अभिलक्षण।
2. भाषाविज्ञान: परिभाषा, स्वरूप एवं शाखाएँ।
3. भारोपीय भाषा परिवार।

इकाई दो - ध्वनिविज्ञान **(15 Hours)**

1. ध्वनिविज्ञान: स्वरूप एवं आधार
2. ध्वनियों का वर्गीकरण
3. ध्वनिगुण: मात्रा, आघात, वृत्ति एवं अनुतान
4. ध्वनि परिवर्तन:कारण एवं दिशाएँ
5. स्वनिम विज्ञान:परिभाषा, स्वरूप एवं भेद
6. स्वनिम सिध्दांत

इकाई तीन - रूप विज्ञान **(15 Hours)**

1. रूप का स्वरूप
2. अर्थतत्व और संबंध तत्व
3. रूप परिवर्तन:कारण एवं दिशाएँ
4. रूपिम:परिभाषा, भेद एवं प्रक्रिया
5. रूप स्वनिम:परिभाषा, प्रक्रिया, परिवर्तन

इकाई चार - वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान **(15 Hours)**

1. वाक्य: अवधारणा एवं स्वरूप
2. वाक्य के भेद
3. अर्थ: परिभाषा एवं स्वरूप
4. शब्द और अर्थ का संबंध
5. अर्थबोध एवं अर्थ निर्णय के साधन
6. अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंको की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्ही तीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2015
2. भोलानाथ तिवारी, *'भाषाविज्ञान'*, किताब महल, इलाहाबाद, 1987
3. भाषा विज्ञान का रसायन, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2012
4. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. भाषा विज्ञान: सैद्धान्तिक चिंतन, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2013
6. भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2007
7. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2004
8. हिन्दी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2016
9. अद्यतन भाषा विज्ञान प्रथम प्रामाणिक विमर्श, पाण्डेय, शशीभूषण 'शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2012
10. मानक हिन्दी का स्वरूप, भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2006
11. हिन्दी: भाषा, राजभाषा और लिपि, परमानंद पांचाल, हिन्दी बुक सेंटर, नई दिल्ली, संस्करण-2008
12. अच्छी हिन्दी, रामचन्द्र वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2008
13. डॉ. जितेन्द्र वत्स, डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह, *'भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा'*, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
14. डॉ. नरेश मिश्र, *'भाषा और भाषा विज्ञान'*, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
15. डॉ. रामप्रकाश, *'मानक हिन्दीः स्वरुप एवं संरचना'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1991
16. हिंदी व्याकरण, **पं॰ कामताप्रसाद गुरु** , प्रकाशक प्रकाशन संस्थान, दरियागंज नयी दिल्ली-110 002 संस्करण : सन् 2009

******

Course Title: विशेष रचनाकार: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
Course Code: PG HIN E-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी के विशेष रचनाकार अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित कराना। साथ ही अज्ञेय का व्यक्तित्व, उनका परिवेश, उनकी व्यष्टि चेतना और प्रयोगवाद की विशेषताओं की जानकारी देना इसमें शामिल है।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी अज्ञेय के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे।
2) व्यष्टि और समष्टि चेतना को समझ सकेंगे।
3) आधुनिक हिन्दी साहित्य में अज्ञेय के योगदान का ज्ञान होगा।
4) अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व से प्रेरित होकर सृजनात्मक रूप से समाज में अपना योगदान दे सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - अज्ञेय : व्यक्ति परिचय एवं रचना संसार **(15 Hours)**

1. व्यक्तित्व एवं परिवेश
2. अज्ञेय का रचना संसार
3. उत्तर छायावादी काव्य और अज्ञेय
4. अज्ञेय की काव्य दृष्टि
5. अज्ञेय का शिल्प विधान

इकाई दो-अज्ञेय : प्रतिनिधि कविताएं एवं जीवन परिचय-संपादक. विद्यानिवास मिश्र

(15 Hours)

1. आज थका हिय हारिल मेरा
2. नदी के द्वीप
3. लंबी कविता- असाध्य वीणा

इकाई तीन - कथा साहित्य **(15 Hours)**

1. शेखर : एक जीवनी भाग-1
2. चुनी हुई तीन कहानियाँ:
   1. रोज
   2. विपथगा
   3. मुस्लिम-मुस्लिम भाई-भाई।

इकाई चार - निबंध **(15 Hours)**

1. अज्ञेय के चार चयनित निबंध
   1. मैं क्यों लिखता हूँ।
   2. साहित्य बोध: आधुनिकता के तत्त्व।
   3. साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया।
   4. भारतीयता।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न - टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विश्वंभर मानव, राम किशोर शर्मा, '*आधुनिक कवि*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
2. संपादक विद्या निवास मिश्र, '*अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ*', राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2005
3. सच्चिदानंद चतुर्वेदी, '*अज्ञेय के निबंध*', मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद, 2009
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. कामना श्रीवास्तव, '*अज्ञेय की कहानियाँ: वैचारिक आयाम*', शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली,2014
6. पूनम गुप्ता , '*अज्ञेय की कविताओं में मनुष्य की अवधारणा*', शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2014
7. '*अज्ञेय काव्य में प्रतिबिम्ब और मिथक*', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009

*****

Course Title: दलित विमर्श
Course Code: PG HIN E-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

आज दलित विमर्श हर भारतीय भाषा में एक आंदोलन के रूप में उभरकर आया है। यह हिन्दी में भी अपना एक स्थान बना चुका है। इस पाठ्यक्रम का उददेश्य विद्यार्थियों को हिन्दी के दलित साहित्य से परिचित कराना है।

Learning Outcome:

1) दलित साहित्य और मुख्य धारा के साहित्य के बीच सम्बन्धों को समझ सकेंगे।
2) दलित साहित्य के सौंदर्यशास्त्र से परिचित होंगे।
3) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।
4) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे।
5) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे।
6) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - दलित साहित्य की अवधारणा **(15 Hours)**

1. दलित साहित्य का विकास
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

इकाई दो - आत्मकथा **(15 Hours)**

1. दोहरा अभिशाप - कौशल्या बैसंत्री

इकाई तीन - कथा साहित्य **(15 Hours)**

1. उपन्यास
   उधर के लोग- अजय नावरिया

इकाई चार - कविता **(15 Hours)**

1.बस्स बहुत हो चुका- ओमप्रकाश वाल्मीकि
(चयनित पाँच कविताएँ)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. टी.वी. कट्टीमनी, *'दलित साहित्य का समाज विज्ञान'*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली,2014
2. ओमप्रकाश वाल्मीकि, *'दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
3. सुशीला टाकभौरे, *'हाशिए का विमर्श'*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2015
4. विमल थोरात, *'दलित साहित्य का स्त्रीवादी स्वर'*, अनामिका पब्लिशर्स, नयी दिल्ली, 2008
5. डॉ. संजय मुनेश्वर, *'हिन्दी का दलित आत्मकथा साहित्य'*, चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर, 2011
6. डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, डॉ. रजत रानी मीनू, *'दलित दखल'*, श्री साहित्यिक संस्थान, गाजियाबाद, 2001

******

Course Title: अनुवाद
Course Code: PG HIN E-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

आज का युग अनुवाद का युग है। साहित्यिक और कार्यालयीन सभी क्षेत्रों में अनुवाद कार्य तेजी से हो रहा है। इस पाठ्यक्रम से अनुवाद की परिभाषा, उसका सिद्धांत, उसके भेद, उसकी प्रक्रिया, सीनाएँ एवं प्रासंगिकता की विद्यार्थियों को जानकारी देना शामिल है।

Learning Outcome:

1) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे।
2) अनुवाद के भेदों से परिचित होंगे।
3) भारतीय साहित्य के विकास की दृष्टि से अनुवाद की महत्ता समझ सकेंगे।
4) अनुवाद कार्य में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
5) रोजगार की दृष्टि से अनुवाद कार्य में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - अनुवाद : स्वरूप एवं भेद **(15 Hours)**

1. परिभाषा, स्वरूप
2. सिद्धांत एवं प्रक्रिया
3. प्रासंगिकता, महत्त्व एवं सीमाएँ
4. प्रकृति के आधार पर अनुवाद के प्रकार:
   क. शब्दानुवाद
   ख. भावानुवाद
   ग. छायानुवाद
   घ. आशु अनुवाद

इकाई दो – विषय आधारित अनुवाद: स्वरूप एवं समस्याएं **(15 Hours)**

1. कार्यालयी अनुवाद
2. साहित्यिक अनुवाद
3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद
4. मीडिया गत अनुवाद

इकाई तीन - अनुवाद के साधन **(15 Hours)**

1. शब्दकोश
2. पारिभाषिक शब्दावली
3. साहित्य कोश
4. समांतर कोश
5. ई-उपकरण

इकाई चार - अनुवाद का व्यावहारिक पक्ष **(15 Hours)**

1. पुनरीक्षण, समीक्षा एवं मूल्यांकन
2. अंग्रेजी से हिन्दी, कोंकणी से हिन्दी, मराठी से हिन्दी

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. भारती गोरे, *'अनुवाद निरूपण'*, विकास प्रकाशन, कानपुर, 2004
2. डॉ. अम्बादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
3. डॉ. सुरेश सिंहल, *'अनुवादः अनुभूति और अनुभव'*, संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
4. विनोद गोदरे, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
5. डॉ. सुरेश सिंहल, *'अनुवादः अवधारणा और आयाम'*, संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
6. डॉ. राजमल बोरा, *'अनुवाद क्या है'*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996

Semester II

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आधुनिक काल
Course Code: PG HIN C-4
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक काल की सभी विधाओं की जानकारी देना। यह बताना कि किस तरह हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल में कविता के साथ-साथ गद्य की धाराएँ भी विकसित होती रहीं। इसमें गद्य की अन्य विधाओं के साथ दक्खिनी हिन्दी भी शामिल है।

Learning Outcome:

6) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश से परिचित होंगे।
7) आधुनिक काल के सम्पूर्ण साहित्य से परिचित होंगे।
8) हिन्दी साहित्य में आए बदलाओं और उसके कारणों को समझ सकेंगे।
9) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
10)हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
11)निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।
12)गद्य की इतर विधाओं, परंपरा और उसके महत्त्व से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - आधुनिक हिन्दी साहित्य **(15 Hours)**

1. आधुनिक हिन्दी साहित्य का परिवेश
2. भारतेन्दु युग
3. द्विवेदी युग
4. छायावाद
5. राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा

इकाई दो - छायावादोत्तर काव्य का संक्षिप्त परिचय **(15 Hours)**

1. प्रगतिवाद
2. प्रयोगवाद
3. नयी कविता
4. साठोत्तरी कविता
5. समकालीन कविता

इकाई तीन - हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का स्वरूप एवं विकास **(15 Hours)**

1.नाटक एवं एकांकी

2.कहानी

3.उपन्यास

4.निबंध

इकाई चार – गद्य की अन्य विधाएँ **(15 Hours)**

1. रेखाचित्र एवं संस्मरण
2. यात्रा वृतांत
3. आत्मकथा
4. जीवनी

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणीयाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. बच्चन सिंह, *'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1996
2. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2005
3. प्रो. वासुदेव सिंह, *'हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास'*, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1982
4. बच्चन सिंह, '*आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ.शिवकुमार शर्मा, *'हिन्दी साहित्यःयुग और प्रवृत्तियाँ'*, मिनर्वा पब्लिकेशन, जोधपुर, 2015
6. नामवर सिंह, *'आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998

******

Course Title: आधुनिक काव्य
Course Code: PG HIN C-5
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक काल के प्रमुख कवियों की कविताओं से परिचित कराना। यह बताना कि आधुनिक काल की कविताएँ अपने पूर्ववर्ती काव्य से किस बिन्दु पर अलग हैं और उनसे आगे बढ़ी हैं।

Learning Outcome:

1)आधुनिक काल के प्रमुख काव्य ग्रन्थों से परिचित होंगे।

2) समाज की विविव्ध दिशाओं में आधुनिक कविता के योगदान को जान पाएंगे।

3) आज़ादी के पूर्व और आज़ादी के बाद कविता की भूमिका को समझ सकेंगे।

4)पूर्ववर्ती कविता से अंतर को समझ सकेंगे।
5)विद्यार्थी काव्य सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - 1. साकेत का नवम सर्ग (चयनित पद) - मैथिलीशरण गुप्त **(15 Hours)**
2. कामायनी : जयशंकर प्रसाद
(श्रद्धा सर्ग, लज्जा सर्ग)

इकाई दो - 1. राग-विराग, पं॰ सूर्यकांत त्रिपाठी, 'निराला' **(15 Hours)**

(सरोज स्मृति, राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता)

इकाई तीन - 1. चांद का मुंह टेढ़ा है मुक्तिबोध - **(15 Hours)**
(ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में)

इकाई चार - 1. रश्मिरथी, रामधारी सिंह 'दिनकर' **(15 Hours)**
(कोई दो सर्ग)
2. नए इलाके में, अरुण कमल
(नए इलाके में, हाट, श्राद्ध का अन्न, जागरण, आत्मा का रोकड़)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विश्वम्भर मानव, राम किशोर शर्मा, *'आधुनिक हिन्दी काव्य'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
2. निराला: आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, नयी दिल्ली, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
3. निराला और मुक्तिबोध: चार लंबी कविताएं, नंदकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2014
4. विवेक निराला, *'निराला के साहित्य में प्रतिरोध के स्वर'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
5. दिनकर अर्धनारीश्वर कवि, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2013
6. दिनकर, संपा॰ सावित्री सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1998
7. नामवर सिंह, '*आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998
8. कामायनी: एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
9. कल्याणमल लोढा, *'कामायनी'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1976
10. मुक्तिबोध : कविता और जीवन-विवेक, चन्द्रकान्त देवताले, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003
11. मुक्तिबोध की कविताई, अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003

*****

Course Title: विशेष विधा: उपन्यास
Course Code: PG HIN C-6
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी की उपन्यास विधा से परिचित कराना और साथ ही हिन्दी के कुछ चर्चित उपन्यासों के माध्यम से उपन्यास के यथार्थ और आदर्श पक्ष को विद्यार्थियों के समक्ष रखना। उन्हें एक समीक्षात्मक दृष्टि की ओर प्रेरित करना।

Learning Outcome:

1) उपन्यास विधा के स्वरूप एवं तत्व को समझेंगे।
2) उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे।
3) उपन्यास के कथ्य और समाज के संबंध को जान पाएंगे।
4) 'गोदान' उपन्यास के माध्यम से एक किसान के जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे।
5) 'राग दरबारी' के माध्यम से उपन्यास में व्यंग्य के महत्त्व और स्वातंत्र्योत्तर भार की विसंगतियों से परिचित होंगे।
6) 'मानस का हंस' उपन्यास के माध्यम से मध्यकालीन समाज और तुलसीदास के जीवन से अवगत होंगे।
7) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
8) भाषा और सृजनात्मक प्रतिभा विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई एक- गोदान - प्रेमचंद **(15 Hours)**
इकाई दो- बाणभट्ट की आत्मकथा- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी **(15 Hours)**
इकाई तीन- राग दरबारी- श्रीलाल शुक्ल **(15 Hours)**
इकाई चार- मानस का हंस - अमृतलाल नागर **(15 Hours)**

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणीयाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अनिल सिंह, *'आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास'*, ज्ञान प्रकाशन कानपुर, 2014
2. डॉ. बेचन, *'आधुनिक हिन्दी उपन्यास : उदभव और विकास'*, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली, 1971
3. डॉ. ज्ञान अस्थाना, *'हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ'*, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1979
4. संपादक ओमप्रकाशक त्रिपाठी, *'हिन्दी के कालजयी उपन्यास'*, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2013
5. सम्पादक पी.वी. विजयन, *'प्रेमचंद: साहित्य और संवेदना'*, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2005
6. डॉ. शोभा वेरेकर, *'साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों का शिल्प विकास'*, पीयूष प्रकाशन, दिल्ली, 2001

****

Course Title: विशेष विधा: कहानी
Course Code: PG HIN E-4
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी की कहानी विधा से परिचित कराना। साथ ही कुछ चर्चित कहानियों के माध्यम से हिन्दी कहानी और समाज के सम्बंध को विद्यार्थियों तक पहुँचाना। विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि पैदा करना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे।
2) चर्चित कहानियों के माध्यम से कहानी विधा और समाज के सम्बन्धों से अवगत होंगे।
3) विद्यार्थियों के भीतर कहानी की समीक्षा दृष्टि विकसित होगी।
4) कहानी विधा में विभिन्न युगों में हुए बदलावों से परिचित होंगे।
5) हिन्दी कहानी में शीर्षस्थ कहानीकारों के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
6) कहानी-लेखन की दिशा में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - 1. दुलाईवाली - राजेंद्रबाला घोष (बंग महिला) **(15 Hours)**
2. दुनिया का अनमोल रतन- प्रेमचंद
3. आकाशदीप- जयशंकर प्रसाद
4. राही- सुभद्रा कुमारी चौहान

इकाई दो - 1. अपना अपना भाग्य- जैनेंद्र **(15 Hours)**
2. कानों में कँगना- राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह
3. तीसरी कसम- फणीश्वर नाथ रेणु
4. राजा निरबंसिया- कमलेश्वर

इकाई तीन - 1. पिता- ज्ञानरंजन **(15 Hours)**
2.कृष्णा सोबती -सिक्का बदल गया
3.कोसी का घटवार- शेखर जोशी
4.शिवप्रसाद सिंह - नन्हों

इकाई चार - 1. अमृतसर आ गया है- भीष्म साहनी **(15 Hours)**
2. परिंदे- निर्मल वर्मा
3. कसाईबाड़ा- शिवमूर्ति
4. उदय प्रकाश- तिरिछ

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. गोपाल राय, *'हिन्दी कहानी का इतिहास'* भाग-1, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2011
2. पुष्पपाल सिंह, *'कहानी का उत्तर समय'*, सामयिक बुक्स, 2013
3. संपादक सोनिया सिरसाट, *'हिन्दी कहानीः परम्परा एवं प्रयोग'*, अकादमिक प्रतिभा, नयी दिल्ली, 2010
4. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, *'हिन्दी का गद्य साहित्य'*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1968
5. जैनेन्द्र कुमार, *'कहानीः अनुभव और शिल्प'*, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली, 1967
6. संपादक सोमेश्वर पुरोहित, *'कहानीः नई-पुरानी'*, नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद, 1978

******

Course Title: आलोचक और आलोचना
Course Code: PG HIN E-5
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को हिन्दी आलोचना से परिचित कराया जाएगा। हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी दी जाएगी। साथ ही यह भी बताया जाएगा कि आलोचना के प्रतिमान कौन-कौन से हैं और यह किससे प्रभावित है।

Learning Outcome:

6) हिन्दी आलोचना के क्रमिक विकास की जानकारी प्राप्त करेंगे।
7) आलोचना के प्रतिमानों को समझ सकेंगे।
8) हिन्दी आलोचना पर पड़े प्रभावों को समझ सकेंगे।
9) विद्यार्थियों में एक आलोचक दृष्टि विकसित होगी।
10) किसी चीज़ को लेकर विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिंदी आलोचना का विकास : **(15 Hours)**

1. भारतेंदु युगीन आलोचना : स्वरूप एवं विशेषताएं
   (गद्य विधाओं का विकास)
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और नवजागरण
   (युगांतकारी भूमिका और 'सरस्वती' पत्रिका)
3. द्विवेदी युगीन आलोचक : मिश्र बंधु एवं अन्य

इकाई दो - 1.रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना **(15 Hours)**
(इतिहासपरक और वैज्ञानिक आलोचना)
2.छायावादी कवियों के आलोचनात्मक प्रयत्न
3. मनोवैज्ञानिक समीक्षा पद्धति: साहित्य और समीक्षा
4. नंददुलारे वाजपेयी और स्वच्छंदतावादी आलोचना

इकाई तीन - 1. हजारी प्रसाद द्विवेदी : मानवतावादी और सांस्कृतिक दृष्टि **(15 Hours)**

2. प्रगतिशील आंदोलन और मार्क्सवादी आलोचना

3.रामविलास शर्मा : प्रगतिशील आलोचना के प्रतिमान और प्रदेय

इकाई चार-1. मुक्तिबोध की समीक्षा पद्धति : वस्तु और शिल्प, रचना प्रक्रिया, कला के तीन क्षण **(15 Hours)**

2. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति और नई समीक्षा

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. रोहिताश्व, *'आलोचना का परिप्रेक्ष्य'* , विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2005

2. रोहिताश्व, *'समकालीनता और शाश्वतता'* , विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2006
3. परमानंद श्रीवास्तव, *'आलोचना की संस्कृति'* , सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2013
4. देवीशंकर अवस्थी, *'आलोचना और आलोचना'* , वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1995
5. रमेश चन्द्र शाह, *'आलोचना का पक्ष'* , वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर, 1998
6. सम्पादक प्रेम भारद्वाज, *'नामवर सिंहः एक मूल्यांकन'* , सामयिक बुक्स, नयी दिल्ली, 2012

Course Title: पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम
Course Code: PG HIN E-6
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार माध्यम की जानकारी देना। उन्हें बताना कि पत्रकारिता का विकास किस प्रकार हुआ। जनसंचार माध्यम के अंतर्गत समाचार पत्र, रेडियो, सिनेमा, इंटरनेट आदि से परिचित कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे।
2) समाचार पत्र में लेखन का ज्ञान होगा।
3) रेडियो के क्रमिक विकास और उसमें लेखन का ज्ञान होगा।
4) सिनेमा एवं दूरदर्शन के उद्भव और विकास तथा उसके विविध पहलुओं से परिचित होंगे।
5) जनसंचार के विविध माध्यमों से परिचित होंगे।
6) विद्यार्थियों में रेडियो पत्रकारिता, टेलीविजन पत्रकारिता एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी पत्रकारिता **(15 Hours)**

1. पत्रकारिता: अवधारणा, स्वरूप एवं विकास
2. भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता
3. महावीरप्रसाद द्विवेदी युगीन पत्रकारिता
4. गांधी युगीन पत्रकारिता
5. स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता
6. संचार क्रांति के बाद की हिंदी पत्रकारिता(1985-अब तक)

इकाई दो - जनसंचार माध्यम (समाचारपत्र / रोडियो)

1. समाचार पत्र : अवधारणा एवं स्वरूप **(15 Hours)**
2. समाचार पत्र : प्रकाशन की प्रक्रिया

3. रेडियो : परिचय, लेखन एवं महत्व
4. रेडियो : आजादी से पूर्व एवं पश्चात्

इकाई तीन - 1. सिनेमा: स्वरूप, उद्भव एवं विकास **(15 Hours)**

2.सिनेमा: व्यावसायिक एवं कला

3.लघु डाक्यूमेंटरी एवं कार्टून

फिल्म

4.दूरदर्शन : परिचय, लेखन एवं महत्त्व

इकाई चार - 1.इंटरनेट : परिचय, लेखन एवं महत्त्व **(15 Hours)**

2.विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप, विज्ञापन का उद्भव विकास, विज्ञापन का महत्व, विज्ञापन की भाषा

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.अम्बादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. डॉ. चन्द्रप्रकाश मिश्र, *'संचार एवं संचार माध्यम'*, संजय प्रकाशन दिल्ली, 2006
3. प्रो. हरिमोहन, *'आधुनिक जनसंचार और हिन्दी'*, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2000
4. सम्पादक डॉ. जशवंत राठवा, डॉ. दिलीप मेहरा, *'मीडिया लेखन'*, अमर प्रकाशन, मथुरा, 2013

5. संपादक डॉ. शैलजा भारद्वाज, *'साहित्य और सिनेमा'*, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर, 2013
6. सुरेश गौतम, वीणा गौतम, *'हिन्दी पत्रकारिता: कल, आज और कल'*, सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली, 2001

*****

Semester - III

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र
Course Code: PG HIN C-7
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की विस्तृत जानकारी देना। इसके अंतर्गत विद्यार्थी काव्य की अवधारणा उसके तत्व और काव्य हेतुओं से परिचित होंगे और साथ ही जो विभिन्न काव्य के सिद्धान्त है उससे भी परिचित होंगे। उदाहरण के रूप में रस, अलंकार, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धान्त।

Learning Outcome:

6) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
7) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का विस्तृत ज्ञान प्राप्त करेंगे।
8) काव्य आस्वादन में भारतीय सिद्धांतों के महत्त्व को समझ सकेंगे।
9) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।
10)भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - काव्य का स्वरूप **(15 Hours)**

1. काव्य की अवधारणा एवं स्वरूप
2. काव्य के तत्व
3. काव्य हेतु एवं प्रयोजन

इकाई दो - काव्यालोचन के मानदण्ड (भारतीय) **(15 Hours)**

1. रस सिद्धांत : स्वरूप निष्पत्ति एवं साधारणीकरण
2. अंलकार सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ

इकाई तीन - 1.ध्वनि सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ **(15 Hours)**
2.रीति सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ

इकाई चार - 1. वक्रोक्ति सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ **(15 Hours)**
2. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख मान्यताएँ

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. भगीरथ मिश्र, *'काव्यशास्त्र'*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
2. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, *'भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
3. गणपति चन्द्र गुप्त, *'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
4. पंडित सीताराम चतुर्वेदी, *'समीक्षा शास्त्र'*, कृष्णदास अकादमी प्रकाशन, वाराणसी, 1983
5. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, *'भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1980
6. शेषेन्द्र शर्मा, *'आधुनिक काव्य शास्त्र'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी
Course Code: PG HIN C-8
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी से परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य है। विद्यार्थी यह समझ पाएगें कि आज के युग में साहित्य के साथसाथ प्रयोजनमूलक हिन्दी का भी - महत्व बढ़ रहा है।विद्यार्थियों को यह भी ज्ञात होगा कि हमारे संविधान में हिन्दी को क्या स्थान दिया गया है और वास्तविक रूप में आज उसकी क्या स्थिति है।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) रोजगार की प्राप्ति की दिशा में कुशलता प्राप्त करेंगे।
4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्राचार में सक्षम होंगे।
5) हिन्दी के प्रचार-प्रसार में इंटरनेट की भूमिका को समझ सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रयोजनमूलक हिन्दी **(15 Hours)**

1. परिभाषा, स्वरूप एवं व्यवहार क्षेत्र
2. प्रयोजनमूलक हिंदी का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
3. राजभाषा : स्वरूप एवं विकास

इकाई दो - राजभाषा **(15 Hours)**

1. राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान
    1. अनुच्छेद 343-344(संघ की राजभाषा एवं संसद का आयोग एवं समिति)
    2. अनुच्छेद 345-347(राज्य की राजभाषा या राजभाषाएँ)
    3. अनुच्छेद 348(न्यायालय से संबंधित भाषा)
    4. अनुच्छेद 349-350(भाषा संबंधी कुछ अधिनियमित विशेष प्रक्रिया)
    5. अनुच्छेद 351(हिन्दी का प्रचार प्रसार)
    6. राष्ट्रपति के निर्देश(1952,1955,1960)
    7. राजभाषा आयोग।
    8. संसदीय समिति।
    9. राजभाषा क्रियान्वयन की व्यावहारिक समस्याएँ

इकाई तीन - राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य - कार्यालयीन हिन्दी **(15 Hours)**

1. प्रारूपण (कार्यालयीन ज्ञापन, कार्यालयीन आदेश, कार्यालयीन अनुस्मारक, परिपत्र, अर्धसरकारी पत्र, अधिसूचना)
2. टिप्पण
3. संक्षेपण
4. पल्लवन

इकाई चार - 1. पारिभाषिक शब्दावली **(15 Hours)**

- स्वरूप, महत्व एवं भेद
- प्रमुख सिद्धांत एवं समस्याएँ
- प्रशासनिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली

2.इंटरनेट और हिन्दी

- यूनिकोड, ब्लाग, ई-मेल, वेबसाइट

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अम्बादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. जोगेन्द्र सिंह, *'राजभाषा हिन्दीः विश्व संदर्भ'*, वत्सल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003
3. विनोद गोदरे, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, वाणी प्रकासन, नयी दिल्ली, 2007
4. डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी, *'राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम'*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009
5. डॉ. सु. नागलक्ष्मी, *'संचार, सूचना, कम्प्यूटर और प्रयोजनमूलक हिन्दी जगत'*, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2012
6. डॉ. अनिल कुमार तिवारी, *'प्रयोजनशील हिन्दी'*, विश्वभारती प्रकाशन, कानपुर, 2004

*****

Course Title: भारतीय साहित्य
Course Code: PG HIN E-7
Marks : 100
Credits : 4 (60 lectures)

Course objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं और उनके साहित्य से परिचित करना। ऐसा करके विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि भारत की अन्य भाषाएँ हिन्दी से किस स्तर पर जुड़ती हैं और किस स्तर पर वे अपना अलग मार्ग निर्धारित कर रही हैं।

Learning Outcome:

1) विभिन्न भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य से परिचित होंगे।
2) लेखकीय दृष्टि को समझ सकेंगे।
3) अन्य भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे।
4) भारतीय साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता एवं एकीकरण का भाव विकसित विकसित होगा।
5) अन्य भाषाओं के साहित्य का हिन्दी भाषा-साहित्य के साथ जुड़ाव को समझ सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक **(15 Hours)**

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
2. भारतीय साहित्य : मूल्य एवं विशेषताएँ
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ

इकाई दो **(15 Hours)**

1. पंजाबी साहित्य का इतिहास, बांग्ला साहित्य का इतिहास

इकाई तीन **(15 Hours)**

1. अनूदित कविता : पाश (पंजाबी)
   ('बीच का रास्ता नहीं होता' से 10 कविताएँ, अनु॰ चमनलाल)

इकाई चार

1. गोरा: रवींद्रनाथ टैगोर (बांग्ला)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतीय साहित्य, डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2004
2. भारतीय साहित्य, डॉ॰ मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
3. बांग्ला और उसका साहित्य, हंस कुमार तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,
4. बंगला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, डॉ. सत्येंद्र, प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, 1961
5. बांग्ला साहित्य का इतिहास, सुकुमार सेन, अनु. वृज किशोर वर्मा 'मणिपद्म', प्र. सं. 1984
6. गोरा, रवींद्रनाथ टैगोर, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2012
7. डॉ. राधाकृष्णन, *'भारतीय दर्शन',* राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1966
8. पंजाबी साहित्य का नवीन इतिहास, ज्ञानेंद्र, आशा प्रकाशन गृह, नयी दिल्ली, 1964
9. बीच का रास्ता नहीं होता- पाश, अनु॰ चमनलाल, राजकमल प्रकाशन नयी दिल्ली, 2006
10. *'भारतीय साहित्य : विविध आयाम',* विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2001

Course Title: नाटक एवं रंगमंच
Course Code: PG HIN E-8
Marks : 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को नाटक और रंगमंच की ओर जुड़ने के लिए प्रेरित करना है। ऐसा करके विद्यार्थी नाटक और रंगमंच के सैद्धांतिक पक्ष और व्यावहारिक पक्ष दोनों से जुड़ेंगे।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।
2) हिन्दी नाट्य परंपरा के क्रमिक विकास का ज्ञान होगा।
3) लोकनाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
4) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
5) अभिनय कौशल में कुशलता प्राप्त करेंगे।
6) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी।
7) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - नाटक एवं रंगमंच **(15 Hours)**

1. लोकनाट्य की परंपरा
2. हिन्दी नाटक: स्वरूप एवं विकास
3. हिन्दी रंगमंच का विकास

इकाई दो - विशेष अध्ययन हेतु (निर्धारित नाटक) **(15 Hours)**

1. अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

इकाई तीन - 1.आधे अधूरे - मोहन राकेश **(15 Hours)**
2. बकरी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

इकाई चार - 1.सिंदूर की होली - लक्ष्मीनारायण मिश्र **(15 Hours)**
2.अंधा युग - धर्मवीर भारती

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (चार में से किन्ही दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.लीना बी. एल, *'हिन्दी नाटक और रंगमंच'*, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2012
2. डॉ. प्रेमदत्त शर्मा, *'प्रसाद साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि'*, जयपुर पुस्तक सदन, जयपुर, 1968
3. गिरीश रस्तोगी, *'हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष'*, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002
4. डॉ. बनवीर प्रसाद शर्मा, *'आधुनिक हिन्दी नाटक'*, अनंग प्रकाशन दिल्ली, 2001
5. के.वी. नारायण, *'साठोत्तर हिन्दी नाटक'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
6. डॉ. आशाराम बेवले, *'समकालीन हिन्दी नाटकों में नारी के विविध रूप'*, समता प्रकाशन, कानपुर, 2006

*****

Course Title: आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
Course Code: PG HIN E-9
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिकता से जोड़ना है। वे समझेंगे कि आज हमारा जो आधुनिक साहित्य है उसके मूल में कौन कौन सी- रूप में कार्य कर रही हैं। विचारधाराएँ पृष्ठभूमि के

Learning Outcome:

1) साहित्य की वैचारिकता से जुड़ सकेंगे।
2) साहित्य में निहित विचारधाराओं से परिचित हो सकेंगे।
3) साहित्य के सभी वादों और सिद्धांतों से परिचित होंगे।
4) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे।
5) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे।
6) विभिन्न आंदोलनों का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक -1. मार्क्सवाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व। **(15 Hours)**

इकाई दो - 1.गांधीदर्शन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व। **(15 Hours)**
2.मनोविश्लेषण वाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व।

इकाई तीन - 1.अस्तित्वाद : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व। **(15 Hours)**
2.अम्बेडकर वाद: अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व।

इकाई चार -1. समाजवादी दर्शन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व। **(15 Hours)**

2.स्त्रीवादी चिंतन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, डॉ. विनय कुमार, मित्तल एंड संस, दिल्ली-110092, संस्करण-2009
2. डॉ. पारसनाथ मिश्र, *'मार्क्सवाद और उपन्यासकार यशपाल'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1972
3. डॉ. चंदा गिरीश, *'अस्तित्ववादी हिन्दी कहानी'*, दिव्य डिस्ट्रिव्यूटर्स, कानपुर, 2009
4. डॉ. रामविलास शर्मा, *'प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ'*, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1957
5. डॉ. कुसुम पटोरिया, *'युग प्रणेता अंबेडकर'*, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर, 2004
6. क्षमा शर्मा, *'स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य'*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
7. रामधारी सिंह दिनकर, *'चिन्तन के आयाम'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008

*****

Course Title: हिन्दी भाषा ,लिपि ,व्याकरण एवं सर्वेक्षण
Course Code: PG HIN E-13
Marks: 100
Credits: 4 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा, लिपि और व्याकरण का ज्ञान कराना ताकि वे वाक्य रचना करने में और आवश्यकता पड़ने पर बोलने में दक्षता प्राप्त कर सकें। विद्यार्थियों को सर्वेक्षण के क्षेत्र में भी आत्मविश्वास पैदा कराना और ऐसा करके हिन्दी के प्रति उनमें रूचि पैदा कराना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे।
2) देवनागरी लिपि के विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।
3) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे।
4) विद्यार्थियों में भाषा कौशल का विकास होगा।
5) सर्वेक्षण के माध्यम से स्थानीय भाषा एवं संस्कृति को समझ सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - हिन्दी भाषा का इतिहास **(15 Hours)**

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषा : वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत
2. मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा प्राकृत पालि एवं अपभ्रंश
3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषा हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ

इकाई दो - लिपि **(15 Hours)**

1. देवनागरी लिपि : उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता।
3. देवनागरी लिपि तथा वर्तनी का मानकीकरण

इकाई तीन - व्याकरण **(15 Hours)**

भाषा और व्याकरण

1. शब्द साधन : विकारी एवं अविकारी शब्द का सामान्य परिचय
2. हिन्दी की रूप रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, संधि और समास के आधार पर रूपान्तरण

3. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया का रूपान्तरण
4. हिंदी वाक्य रचना: पदक्रम एवं अध्याहार

इकाई चार - भाषा एवं संस्कृति सर्वेक्षण (15 hours)

1. सर्वेक्षण का स्वरूप, प्रविधि एवं प्रक्रिया (सैद्धांतिक पक्ष - 5 lect.)
2. दस घंटे की रिपोर्ट (व्यावहारिक पक्ष 10 lect.)

   Note -भाषा और संस्कृति से संबंधित विषय पर किसी स्थान विशेष का 5000 शब्दों में सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1.आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत विद्यार्थी भाषा एवं संस्कृति से संबंधित विषय पर किसी स्थान विशेष का 5000 शब्दों का सर्वेक्षण रिपोर्ट तौयार करेंगे।

2.सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)

- पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. मानक हिन्दी के शुद्ध प्रयोग, रमेशचंद्र महरोत्रा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019
2. भोलानाथ तिवारी, *'भाषा विज्ञान'*, किताब महल, इलाहाबाद, 1951
3. कामता प्रसाद गुरू, *'हिन्दी व्याकरण'*, हिन्दी-मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2009
4. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, *'हिन्दी व्याकरण'*, फडके बुकसेलर्स, कोल्हापुर, 1992
5. डॉ. रामप्रकाश, *'मानक हिन्दीः स्वरूप एवं संरचना'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1991
6. डॉ. नरेश मिश्र, *'भाषा और भाषा विज्ञान'*, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2001
7. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, *'हिन्दी व्याकरण'*, नमन प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009

8. देवनागरी लिपि तथा हिन्दी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिन्दी निदेशालय, भारत सरकार, 1989

******

Semester – IV

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र
Course Code: PG HIN C-10
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की विस्तृत जानकारी देना। इससे विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से परिचित होंगे जैसे प्लेटो का काव्य सिद्धांत, अरस्तू, टी.एस. एलियट, आदि का काव्य सिद्धान्त, जिसके माध्यम से बिम्ब, प्रतीक आदि की जानकारी देना।

Learning Outcome:

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।
3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा की विविध प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Hours)**

1. प्लेटो - काव्य सिद्धांत
2. अरस्तू - अनुकरण, विरेचन एवं त्रासदी
3. लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा

इकाई दो - **(15 Hours)**

1. मैथ्यू अर्नाल्ड - काव्य सिद्धान्त
2. क्रोंचे - अभिव्यंजनावाद
3. टी.एस. एलियट - निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

इकाई तीन - प्रमुख काव्य सिद्धान्त **(15 Hours)**

1. अभिजात्यवाद
2. स्वच्छंदतावाद

3. बिंबवाद
4. प्रतीकवाद

इकाई चार - **(15 Hours)**

1. आधुनिकतावाद
2. उत्तर आधुनिकतावाद
3. संरचनावाद
4. उत्तर संरचनावाद

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. देवेन्द्रनाथ शर्मा, *'पाश्चात्य काव्यशास्त्र'*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
2. गणपतिचन्द्र, *'गुप्त भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त'*,लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ, सत्यदेव मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र कोश, सत्यदेव मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2019
5. गोपीचंद नारंग, *'संरचना एवं उत्तरसंरचनावाद'*,साहित्य अकादमी, दिल्ली, 2004

6. पंडित सीताराम चतुर्वेदी, *समीक्षा शास्त्र*, कृष्णदास अकादमी प्रकाशन, वाराणसी, 1983
7. शेषेन्द्र शर्मा, *आधुनिक काव्यशास्त्र*, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990
8. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, *भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1980
9. पाश्चात्य काव्य चिंतन, डॉ॰ करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016

*****

Course Title: मीडिया लेखन
Course Code: PG HIN C-11
Marks: 100
Credits: 04 (60 lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना, दूरदर्शन, रेडियो, जिसमें समाचार पत्र लेखन इंटरनेट आदि प्रमुख हैं। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को साहित्य के अलावा प्रयोजनमूलक हिन्दी से जोड़ना और उन्हें रोजगार हेतु प्रवृत्त करना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे।
3) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा।
4) रोजगार की दृष्टि से सिनेमा-लेखन से परिचित होंगे।इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - समाचार पत्र लेखन **(15 Hours)**

(समाचार लेखन, संपादकीय, विज्ञापन लेखन, फीचर लेखन)

इकाई दो - रेडियो लेखन **(15 Hours)**

(रेडियो समाचार, रेडियो नाटक, रेडियो विज्ञापन, रेडियो वार्ता)

इकाई तीन - टेलिविजन लेखन **(15 Hours)**

(समाचार, धारावाहिक, रूपक, विज्ञापन, वार्ता, वृत्तचित्र)

इकाई चार - सिनेमा लेखन **(15 Hours)**

(पटकथा लेखन, संवाद लेखन, साहित्यिक कृतियों का फ़िल्मांकन)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
- तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न- टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. विनोद गोदरे, *प्रयोजनमूलक हिन्दी*, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
2. डॉ. सी. जे. प्रसन्नकुमारी, *राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009
3. डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, *मीडिया और साहित्य*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2010
4. डॉ. शांति विश्वनाथन, *मीडिया और साहित्य*, अमन प्रकाशन, कानपुर, 2009
5. सत्यदेव त्रिपाठी, *समकालीन फिल्मों के आइने में समाज*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2013
6. डॉ. श्याम कश्यप, *टेलीविजन की कहानी राजकमल प्रकाशन*, नयी दिल्ली, 2008

*****

Course Title: आधुनिक गद्य (नाटक, उपन्यास, निबंध, कहानी)
Course Code: PG HIN E-10
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को उपन्यास, कहानी, नाटक एवं निबंध की जानकारी देना। साथ ही उन्हें प्रत्येक विधा की एक -एक रचना से परिचित कराना। इन विधाओं में साहित्यकार किन प्रश्नों को उठाता है उससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।

Learning Outcome:

1) गद्य की प्रतिनिधि विधाओं से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थियों को रचनाओं के माध्यम से समाज की विभिन्न स्थितियों का ज्ञान होगा तथा उनमें संवेदनशीलता विकसित होगी।
3) व्यावहारिक दृष्टि विकसित होगी।
4) विद्यार्थी सृजन की दिशा में प्रेरित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - नाटक - माधवी, भीष्म साहनी **(15 Hours)**

इकाई दो- उपन्यास - धरती धन न अपना, जगदीशचंद्र **(15 Hours)**

इकाई तीन- चिन्तामणि भाग-1 (निर्धारित पाँच निबंध: उत्साह, श्रद्धा-भक्ति, लोभ और प्रीति, क्रोध, कविता क्या है), आचार्य रामचंद्र शुक्ल **(15 Hours)**

इकाई चार- कहानी- अस्मितामूलक विमर्श केंद्रित कहानियाँ **(15 Hours)**

1. अपना गाँव - मोहनदास नैमिषराय
2. हरी बिंदी - मृदुला गर्ग
3. रात बाकी - रणेन्द्र
4. बेघर आँखें - तेजेंद्र शर्मा
5. ई मुर्दन का गाँव- कुसुम अंसल
6. जीना तो पड़ेगा- अब्दुल बिस्मिल्लाह

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009
2. डॉ. बच्चन सिंह, '*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*,राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
3. डॉ. इन्द्रनाथ मदान, '*आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1973
4. डॉ. गोपाल राय, *'हिन्दी उपन्यास का इतिहास'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2010
5. डॉ. विभुराम मिश्र, *'प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार'*, अभिनव भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1975
6. डॉ. पुष्पपाल सिंह, *'समकालीन कहानी - युगबोध का संदर्भ',* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1986
7. डॉ. सुरेंद्र चौधरी, *'हिन्दी कहानी - प्रक्रिया और पाठ',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1995

*****

Course Title: स्त्री विमर्श
Course Code: PG HIN E-11
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को स्त्री विमर्श की अवधारणा नारीवादी आन्दोलन और नारी लेखन, की भूमिका से अवगत कराना है। साथ ही लेखिकाओं द्वारा लिखित कविता, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा से परिचित कराना है।

Learning Outcome:

1. नारी आंदोलन एवं उसमें नारी लेखन की भूमिका से अवगत होंगे।
2. इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे।
3. स्त्री की दशा एवं उनके संघर्षमय लेखन से परिचित होंगे।
4. परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे।
5. महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।
6. महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - सैद्धांतिक पक्ष **(15 Hours)**

1. स्त्री विमर्श की अवधारणा
2. स्त्री विमर्श की पृष्ठभूमि
3. नारीवादी आंदोलन - भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ
4. हिन्दी में नारी लेखन का स्वरुप और विकास

इकाई दो - उपन्यास- चाक, मैत्रेयी पुष्पा **(15 Hours)**

इकाई तीन - कविता- अनामिका **(15 Hours)**

बेजगह, स्त्रियाँ, एक औरत का पहला राजकीय प्रवास, हरियाली है, दलाई लामा, कुहनियाँ, घूंघट के पट खोल रे, तुलसी का झोला, बीजगणित, आम्रपाली।
(कुल 10 कविताएँ)

इकाई चार - आत्मकथा प्रभाखेतान - अन्या से अनन्या **(15 Hours)**

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. जगदीश्वर चतुर्वेदी, '*स्त्री विमर्श*', अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2000
2. सुमन राजे, '*हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास*', भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली, 2004
3. राधा कुमार, '*स्त्री संघर्ष का इतिहास*', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002
4. प्रभा खेतान, '*उपनिवेश में स्त्री*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003
5. ममता जैतली, श्री प्रकाश शर्मा, '*आधी आबादी का संघर्ष*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006
6. क्षमा शर्मा, '*स्त्रीत्ववादी विमर्श - समाज और साहित्य*', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008

****

Course Title: गद्य की अन्य विधाएँ
Course Code: PG HIN E-12
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम में गद्य की मुख्य विधाओं के अतिरिक्त अन्य विधाओं को पाठ्यक्रम में रखा गया है। इन विधाओं में आत्मकथा, डायरी, यात्रा वृतांत और जीवनी प्रमुख हैं। इन सभी की विद्यार्थियों को जानकारी देना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे।
2) संस्मरण और यात्रा-वृतांत लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे।
4) अन्य विधाओं के अद्यतन साहित्य से जुड़ सकेंगे।
5) विद्यार्थियों में सृजनात्मक प्रतिभा का विकास होगा।

Syllabus:

इकाई एक - आत्मकथा: **(15 Hours)**

क्या भुलूँ क्या याद करूँ - हरिवंशराय बच्चन

इकाई दो - डायरी: **(15 Hours)**

एक साहित्यिक की डायरी- मुक्तिबोध

इकाई तीन - यात्रा वृतांत: **(15 Hours)**

मेरी तिब्बत यात्रा- राहुल सांकृत्यायन

इकाई चार - जीवनी: **(15 Hours)**

प्रेमचंद घर में- शिवरानी देवी

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1. आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40
   - आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत बीस-बीस अंकों की तीन परीक्षाएँ ली जाएँगी जिनमें से श्रेष्ठ दो को परीक्षा परिणाम में शामिल किया जाएगा।
   - तीनों परीक्षाओं के नाम हैं - प्रस्तुतीकरण, बहुविकल्पीय प्रश्न, प्रकल्प।

2. सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)
   - पहला प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या (4 में से कोई दो) 12
   - दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
   - पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (चार में से किन्हीं दो पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आत्मकथा साहित्य का अनुशीलन(डॉ॰ हरिवंशराय बच्चन के विशेष संदर्भ में), डॉ॰ विजया, शब्द सृष्टि प्रकाशन, नई मुंबई, 2008
2. महामानव महापंडित: राहुल सांकृत्यायन, कमला सांकृत्यायन, नयी दिल्ली,
3. मुक्तिबोध की समीक्षाई, अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2003
4. डॉ. ब्रिजपाल सिंह गहलोत, *'मुक्तिबोध के काव्य में युग चेतना'*, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2016
5. प्रेमचंद की आत्मकथा, मदन गोपाल, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2002
6. कलम का मजदूर, मदन गोपाल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2006
7. प्रेमचंद और उनका युग, डॉ॰ रामविलाश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
8. राहुल सांकृत्यायन: 'घुमक्कड़ शास्त्र' और यात्रावृत्त, डॉ॰ जानकी पाण्डेय, ज्ञान भारती प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2001

*****

Course Title: शोध प्रविधि
Course Code: PG HIN E-14
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को शोध प्रक्रिया से परिचित कराना। शोध के समय क्या क्या समस्याएँ आती हैं- उनकी जानकारी देना। शोध की रूपरेखा तैयार कराना। शोध कार्य के विभिन्न क्षेत्रों से उन्हें अवगत कराना। साथ ही आज हिन्दी में शोध की क्या स्थिति है उसके बारे में बताना।

Learning Outcome:

1) विद्यार्थी शोध की पूरी प्रक्रिया से अवगत होंगे।
2) शोध के दौरान आने वाली समस्याओं के प्रति जागरूक होंगे।
3) शोध के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान होगा।
4) विद्यार्थी भविष्य में शोध कार्य में प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - 1. शोध का स्वरूप एवं महत्व **(15 Hours)**
2.शोध और आलोचना
3.शोध छात्रों की योग्यता
4.शोध एवं साहित्य
5.शोध के प्रकार (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, साहित्यिक एवं साहित्येतर शोध)

इकाई दो - शोध पद्धति एवं प्रक्रिया **(15 Hours)**

शोध पद्धति - मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक और तुलनात्मक पद्धति शोध प्रक्रिया- शोध की समस्या, शोध विषय का चयन, सामग्री संकलन एवं स्रोत (प्रकाशित-अप्रकाशित सामग्री, पुस्तकालय, संदर्भ ग्रंथ, पाण्डुलिपियों का संकलन और उपयोग, साक्षात्कार, प्रश्नावली)

इकाई तीन - शोध कार्य विभाजन एवं - कम्प्यूटर अनुप्रयोग **(15 Hours)**

शोध की रूप रेखा, प्रस्तावना, अध्याय विभाजन, शोध शीर्षक, मुख्य भाग, विवेचन, विश्लेषण, उपसंहार, सूची-संदर्भ, पाद टिप्पणी, परिशिष्ट, टंकणलेखन, वर्तनी सुधार

इकाई चार - लघु शोध प्रकल्प लेखन **(15 Hours)**

(अधिकतम 10000 शब्दों का लघु शोध प्रकल्प)

प्रश्नपत्र का प्रारूप

1.आंतरिक मूल्यांकन - पूर्णांक 40

- आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत विद्यार्थी अधिकतम 10000 हजार शब्दों का लघु शोध प्रकल्प तैयार करेंगे।

2.सत्रांत परीक्षा - पूर्णांक 60 (समय 3 घंटे)

- पहला दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- दूसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- तीसरा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- चौथा दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई -1) 12
- पाँचवाँ प्रश्न टिप्पणियाँ (पाँच में से किन्हीं तीन पर) 12

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. रावत खंडेलवाल, *'शोध - प्रविधि और प्रक्रिया'*, जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 1976
2. डॉ. रावत खंडेलवाल, *'शोध तत्व और दृष्टि'*, जवाहर पुस्तकालय मथुरा, 1976
3. डॉ. राजेन्द्र मिश्र, *'अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया'*, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
4. डॉ. विजयपाल सिंह, *'हिन्दी अनुसंधान'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. मधुकर पाडवी, *साहित्य चिंतन: समीक्षा एवं शोध*, अमन प्रकाशन कानपुर, 2010
6. डॉ. विनयमोहन शर्मा, *शोध प्रविधि,* नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली, 2008